CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 270 ता. 21 अप्रेल 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जहांगीरपुरी हिंसा के बीच आज लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे पीएम मोदी, सुरक्षा सख्त

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को सिख गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। हाल ही में दिल्ली के जहांगीरपुरी में हुए हिंसा को देखते हुए प्रधानमंत्री की सुरक्षा सख्त होगी। लाल किले में एक बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा, जिसमें दिल्ली पुलिस के 1,000 से अधिक जवान और विभिन्न एजेंसियों के बल शामिल होंगे। यहीं से पीएम देश को संबोधित करेंगे।

लाल किला परिसर के अंदर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे पहले ही लगाए जा चुके हैं, जिसमें वह स्थान भी शामिल है जहां से पीएम मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इस मौके पर पीएम मोदी एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी करेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, लाल किले में एनएसजी स्नाइपर्स, स्वाट कमांडो, पतंग पकड़ने वाले, कैनाइन यूनिट और शार्पशूटर को तैनात किया जाएगा। कोरोना को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों का पालन करना अनिवार्य होगा। अधिकारी ने कहा, हमने पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की है। हम कई सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी व्यवस्थाएं तोड़फोड़ विरोधी दृष्टिकोण से भी हों।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ऐतिहासिक स्मारक को बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के साथ पूरी तरह से सुरक्षित किया गया है जो आमतौर पर स्वतंत्रता दिवस के दौरान होता है। हिंसा प्रभावित जहांगीरपुरी में तनावपूर्ण स्थिति के कारण हमें अतिरिक्त सतर्क रहने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि लाल किला क्षेत्र और उसके आसपास स्थित पुलिस नियंत्रण कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि शहर के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार को हनुमान जयंती जुलूस के दौरान हुई झड़प के मद्देनजर एजेंसियों ने अतिरिक्त सतर्कता बरती है और ऐतिहासिक स्मारक के पास सुरक्षा बढ़ा दी है। आपको बता दें कि इस हिंसा में नौ पुलिसकर्मी और एक नागरिक घायल हो गए थे। इस घटना के बाद से गहन गश्त की जा रही है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को पहले से ही उत्तरी दिल्ली के संवेदनशील क्षेत्रों (चांदनी महल, हौज काजी और बाजार क्षेत्रों) में तैनात किया गया है।

अधिकारी ने कहा, हमारी टीमें और दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा इकाई भी कड़ी निगरानी रखते हुए अपनी टीमें रखेंगी। बल की सभी महिला स्वाट टीम हमेशा की तरह पीसीआर की तैनाती के साथ सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होगी।÷ कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्र में और उसके आसपास गहन गश्त के लिए प्रखर वैन भी तैनात की जाएगी।

> अधिकारियों ने कहा कि शहर के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार को हनुमान जयंती जुलूस के दौरान हुई झड़प के मद्देनजर एजेंसियों ने अतिरिक्त सतर्कता बरती है और ऐतिहासिक स्मारक के पास सुरक्षा बढ़ा दी है। आपको बता दें कि इस हिंसा में नौ पुलिसकर्मी और एक नागरिक घायल हो गए थे।

इस कार्यक्रम का आयोजन मंत्रालय द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सहयोग से किया जाएगा। कई राज्यों के मुख्यमंत्री और देश-विदेश की कई प्रमुख हस्तियां समारोह का हिस्सा होंगी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सिख गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व (जन्मदिन) पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

कंफर्म टिकट के बावजूद दरभंगा से दिल्ली खड़े होकर करनी पड़ी थी यात्रा, कोर्ट ने 14 साल बाद रेलवे को माना दोषी; जुर्माना भी

नई दिल्ली। ट्रेन का कंफर्म आरक्षित टिकट होने के बाद भी रेलवे ने एक बीमार व्यक्ति को बर्थ नहीं दिया, जिससे उन्हें दरभंगा से दिल्ली तक खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी थी। इस मामले में 14 साल बाद उपभोक्ता अदालत ने यात्री के हक में फैसला देते हुए रेलवे को सेवा में कमी का दोषी पाया है।

उपभोक्ता अदालत ने रेलवे अधिकारियों की वजह से यात्री को हुई परेशानी के बदले न सिर्फ मुआवजा देने का आदेश दिया है, बल्कि मुकदमे का खर्च भी देने का आदेश दिया है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की अध्यक्ष मोनिका श्रीवास्तव, सदस्य रश्मि बंदल और राजेंद्र धर की पीठ ने फरीदाबाद निवासी इंद्रनाथ झा की शिकायत का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया है। पीठ ने कहा है कि लोग पहले से ट्रेन का टिकट बुक कराते हैं, ताकि आरामदायक यात्रा कर सकें, लेकिन मौजूदा मामले में एक माह पहले ही कंफर्म आरक्षित टिकट बुक कराने के बावजूद शिकायतकर्ता की ट्रेन यात्रा न सिर्फ शारीरिक, मानसिक परेशानियों भरी रही, बल्कि उसे अपमानजनक व्यवहार का भी सामना करना पड़ा। हाल ही में पारित अपने फैसले में पीठ ने कहा कि तथ्यों से साफ है कि प्रतिवादी रेलवे लापरवाही और सेवा में कमी का दोषी है।

शिकायतकर्ता इंद्रनाथ झा ने 19 फरवरी 2008 को दरभंगा से दिल्ली आने के लिए डेढ़ महीने पहले यानी 3 जनवरी 2008 को स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस में एस-4 में बर्थ 69 कंफर्म आरक्षित टिकट बुक किया था, लेकिन उन्हें सीट नहीं मिली।

यूपी में इन कर्मचारियों को मनचाहे जिलों में मिलेगी तैनाती

जल्द नई तबादला नीति लाएगी योगी सरकार

- **इसके लिए उनसे ऑनलाइन विकल्प लिए जाएंगे। तीन साल से एक ही जिले में कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। कार्मिक विभाग ने इसके लिए प्रारूप तैयार कर लिया है और कैबिनेट मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा।**

लखनऊ। यूपी में राज्य कर्मियों के लिए सालाना तबादला नीति जल्द आने वाली है। इस बार अधिकतर ऑनलाइन तबादले किए जाएंगे। मेरिट के आधार पर अच्छे काम करने वालों को मनचाहे जिलों में तैनाती दी जाएगी। इसके लिए उनसे ऑनलाइन विकल्प लिए जाएंगे। तीन साल से एक ही जिले में कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। कार्मिक विभाग ने इसके लिए प्रारूप तैयार कर लिया है और कैबिनेट मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा। राज्य सरकार हर साल तबादला नीति लाती है। इसके लिए सभी विभागों से मानव संपदा पोर्टल पर अधिकारियों और कर्मचारियों का ब्यौरा ऑनलाइन कराया जा रहा है। प्रस्ताव के मुताबिक समूह 'क' व 'ख' के जो अधिकारी अपने सेवाकाल में एक ही जिले में तीन साल और मंडल में सात वर्ष पूरा करने वाले इसके दायरे में आएंगे। समूह 'क' के अधिकारियों को उनके गृह मंडल और समूह 'ख' के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनात न करने का प्रस्ताव है। स्थानांतरित अधिकारियों व कर्मचारियों की संख्या 20 प्रतिशत तक ही रखने का विचार है।

लाउडस्पीकर विवाद के बीच AMU गेट पर मुस्लिम छात्र ने पढ़ा हनुमान चालीसा

गायत्री मंत्र का भी किया जाप

अलीगढ़। महाराष्ट्र से यूपी तक चल रहे लाउडस्पीकर विवाद के बीच अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मुस्लिम छात्र ने बाब ए सैयद गेट के बाहर हनुमान चालीसा और गायत्री मंत्र का पाठ कर साम्प्रदायिक सदभाव बनाए रखने का संदेश दिया। एएमयू के मुस्लिम छात्र ने कैंपस के बाहर हनुमान चालीसा व गायत्री मंत्र का पाठ किया। हनुमान चालीसा और गायत्री मंत्र पढ़कर उन्होंने आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दिया। इस दौरान बीए के छात्र फरीद मिर्जा ने कहा कि अगर हिंदू समाज केलोगों को लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा बजानी है तो जरूर बजाएं लेकिन मस्जिद में होने वाली अजान का भी विरोध न करें। दोनों धर्म केलोग आपसी प्रेम और सद्भाव से रहे और एक दूसरे के धर्म को बराबर सम्मान दें। फरीद मिर्जा ने कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करके वह संदेश देना चाहते हैं जिससे कि धार्मिक एकता की खूबसूरती को बदनाम न हों। साथ ही हिंदू समाज के लोग यदि लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहते हैं तो जरूर करें। इससे मुस्लिम समाज के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति नहीं होगी। लेकिन ऐसा करने के दौरान मुस्लिमों के धार्मिक स्थलों को निशाना न बनाएं ताकि किसी तरह का धार्मिक विवाद उत्पन्न न हो।

छात्र ने यह भी कहा कि राजनीतिक पार्टियां लाभ लेने केलिए आपसी प्रेम सदभाव को बिगाड़ रही है। इसी केचलते लाउडस्पीकर विवाद खड़ा किया गया है। कहा कि में हनुमान चालीसा, गायत्री मंत्र और अन्य किसी वेद पुराण के स्लोगन से कोई आपत्ति नहीं है।

यूपी में राज्य कर्मियों के लिए सालाना तबादला नीति जल्द आने वाली है। इस बार अधिकतर ऑनलाइन तबादले किए जाएंगे। मेरिट के आधार पर अच्छे काम करने वालों को मनचाहे जिलों में तैनाती दी जाएगी। इसके लिए उनसे ऑनलाइन विकल्प लिए जाएंगे। तीन साल से एक ही जिले में कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। कार्मिक विभाग ने इसके लिए प्रारूप तैयार कर लिया है और कैबिनेट मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा। राज्य सरकार हर साल तबादला नीति लाती है।

कुमार विश्वास के घर पहुंची पंजाब पुलिस, ट्वीट कर दी सीएम भगवंत मान को चेतावनी

केजरीवाल तुम्हें भी धोखा देगा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास के घर पर पंजाब की पुलिस पहुंची है। सुबह-सुबह पुलिस के पहुंचने की जानकारी कुमार विश्वास ने खुद ट्वीट करके दी है। इसके साथ ही उन्होंने भगवंत मान को चेतावनी भी दी है कि वह अरविंद केजरीवाल पर भरोसा न करें और वह उन्हें भी धोखा देंगे। कुमार विश्वास ने ट्वीट किया, सुबह-सुबह पंजाब पुलिस द्वार पर पधारी है। एक समय मेरे द्वारा ही पार्टी में शामिल कराए गए भगवंत मान को आगाह कर रहा हूँ। तुम दिल्ली में बैठे जिस आदमी को पंजाब के लोगों की दी हुई ताक़त से खेलने दे रहे हो, वो एक दिन तुम्हें व पंजाब को भी धोखा देगा। देश मेरी चेतावनी याद रखे।

चुनाव से पहले दिए बयान को लेकर पहुंची पंजाब पुलिस?

अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि कुमार विश्वास के घर पर किस मामले में पंजाब की पुलिस पहुंची है। हालांकि माना जा रहा है कि पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले उनके एक बयान को लेकर शायद पुलिस उनके आवास पर गई है। कुमार विश्वास ने चुनाव से पूर्व अपने एक बयान में कहा था कि अरविंद केजरीवाल किसी भी तरह से पंजाब के सीएम बनना चाहते थे। यहां तक कि उनका कहना था कि यदि पंजाब का सीएम नहीं बना तो फिर मैं खालिस्तान का सीएम बन जाऊंगा। अपने इस बयान में उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री पर कट्टरपंथियों से मिलीभगत होने का आरोप लगाया था। इस बयान को लेकर काफी विवाद हुआ था और अरविंद केजरीवाल ने भी इस पर रिएक्शन दिया था।

जहांगीरपुरी में चलने जा रहा है बुलडोजर, भड़के ओवैसी केजरीवाल पर बरसे; पूछा- क्या इस कायरता के लिए दिया था वोट

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती शोभायात्रा पर हुई हिंसा के बाद पुलिस ने ऐक्शन तेज कर दिया है। गृहमंत्री अमित शाह की ओर से सख्ती बरतने के निर्देश पर जहां कुछ आरोपियों पर एनएसए लगाया गया तो अब उनके अवैध निर्माण को ढहाने के लिए बुलडोजर चलाया जाएगा। सरकार के इस फैसले को लेकर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने इसे गरीबों के खिलाफ युद्ध बताते हुए कहा कि कोर्ट जाने का अवसर दिए बिना इनका घर गिराया जा रहा है। ओवैसी ने केजरीवाल की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए अपनी भूमिका साफ करने को कहा है।

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने देर रात ट्वीट करके कहा, बीजेपी ने गरीबों के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। अतिक्रमण के नाम पर यह यूपी और एमपी की तरह दिल्ली में घर तोड़ने जा रही है। कोई नोटिस नहीं, ना कोर्ट जाने का मौका, बस गरीब मुसलमानों को जिंदा रहने की हिम्मत के लिए सजा दिया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल को अपनी संदिग्ध भूमिका साफ करनी चाहिए।

ओवैसी ने एक अन्य ट्वीट में पूछा, क्या उनकी (केजरीवाल) सरकार का पीडब्ल्यूडी इस ध्वस्तीकरण अभियान का हिस्सा है? क्या जहांगीरपुरी के लोगों ने उन्हें ऐसे विश्वासघात और कायरता के लिए फोट दिया था? अक्सर पुलिस पर हमारा कंट्रोल नही कहने की उनकी दलील यहां नहीं चलेगी। अब वैधता या नैतिकता का ढोंग भी नहीं है। निराशाजनक स्थिति।

अमानतुल्लाह खान बोले- पूरे देश का बिगड़ेगा माहौल

एक तरफ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जहां इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं तो आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई से पूरे देश का माहौल बिगड़ेगा। एक वीडियो जारी करते हुए अमानतुल्लाह ने कहा, 'अमित शाह और भाजपा दिल्ली के शांति पूर्वक माहौल को रमज़ान के महीने में ख़राब करना चाहती है, स्ष्ट्ठ का इस्तेमाल कर अब जहांगीरपुरी में एंक्रोच्मेंट के नाम पर बुलडोज़र चलाने और एक ख़ास समुदाय को प्रताड़ित करने का नया फरमान जारी कर दिया गया इससे पूरे देश का माहोल खराब होगा।'

पहाड़ से मैदान तक रिकार्ड तोड़ गर्मी, दिल्ली सहित इन राज्यों में तेज अंधड़ के साथ बारिश दे सकती है राहत

नई दिल्ली। उत्तर भारत में गर्मी रोज नए रिकार्ड तोड़ रही है। दिल्ली में ज्यादातर क्षेत्रों में लू के थपेड़े लगे। वहीं, तापमान की दृष्टि से इस सीजन का ही नहीं बल्कि 11 वर्षो का सबसे गर्म दिन रहा। यही हाल उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू का भी रहा। सभी जगह रिकार्ड तापमान दर्ज किया गया है। बता दें कि दिल्ली में इससे पहले वर्ष 2011 में 19 अप्रैल को अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहा था। वहीं, 2012 से लेकर पिछले साल तक तक अप्रैल में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा है। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री ऊपर 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को सुबह से ही तेज धूप निकली। दिन चढ़ने के साथ धूप भी तीखी और तेज हो गई। दोपहर के समय लोगों ने गर्म हवा के थपेड़े महसूस किए।

अंधड़ के साथ हल्की बारिश दिलाएगी गर्मी से राहत

एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव दिल्ली के मौसम पर बुधवार से दिखने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार दिन में लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, लेकिन शाम के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। रात के समय 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में बूंदाबांदी हो सकती है। इसके चलते लोगों को लू की तपिश से राहत मिलेगी।

उत्तराखंड में 13 तो हिमाचल में 25 वर्ष का रिकार्ड टूटा

उत्तराखंड में चटक धूप से मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी का प्रकोप बना है। पारे के शीर्ष पर पहुंचने से जनजीवन प्रभावित है। मंगलवार अब तक इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। जबकि, अप्रैल में पारे ने पुराने रिकार्ड ध्वस्त करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। बीते 13 वर्षो में यह अप्रैल सबसे गर्म बीत रहा है। ज्यादातर मैदानी इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। वहीं, हिमाचल के ऊना में भी 19 अप्रैल को गर्मी का 25 साल का रिकार्ड टूटा। ऊना में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस रहा। ऊना में वर्ष 1997 में 19 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक आज से प्रदेश में मौसम करवट बदल सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं गरज के साथ बौछार और ओलावृष्टि हो सकती है। जबकि, मैदानों में अंधड़ की आशंका है।

कश्मीर में बारिश से गर्मी से मिली राहत, तप रहा जम्मू

मौसम विभाग का पुर्वानुमान सही साबित हुआ और मंगलवार को कश्मीर में कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। इससे सामान्य से ऊपर चल रहे तापमान में भी गिरावट आ गई है। वहीं, जम्मू में दिनभर तेज धूप से लोग बेहाल रहे। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान भी कश्मीर में अधिकांश इलाकों में हलकी से सामान्य दर्जे की बारिश की संभावना जताई है।

पंजाब के कई जिलों में चली धूल भरी आंधी-पंजाब के कई जिलों में मंगलवार को धूल भरी आंधी चली। इससे राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं कई जिलों में लू की वजह से तापमान चढ़ा और लोगों को भीषण गर्मी झेलनी पड़ी। इंडिया मेट्रोलाजिकल सेंटर चंडीगढ़ के अनुसार मंगलवार को मुक्तसर में दिन का तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस रहा। यह तीसरा दिन रहा, जब मुक्तसर पंजाब में सबसे गर्म था। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को भी पंजाब के कई जिलों में तीस से चालीस किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवा चलेगी और बारिश की भी संभावना है।

CMYK

सार समाचार

कुमार विश्वास के खिलाफ केस दर्ज, एसएसपी बोले जांच में शामिल नहीं हुए तो होगी गिरफ्तारी

नई दिल्ली । मशहूर कवि और आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास पर पंजाब पुलिस ने वैमनस्यता फैलाने के आरोप में कई धाराओं में केस दर्ज किया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पंजाब पुलिस ने कुमार विश्वास पर गलत इंटरव्यू देकर वैमनस्यता फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया है।

पुलिस ने उन पर जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 125 के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा धारा 153 भी लगाई गई है, जो दंगा भड़काने के मकसद से दिए गए भाषण के आरोप में लगाई जाती है। यही नहीं उन पर सेक्शन 153-ए, 505, 502, 116, 143, 147, 323 और 341 के तहत केस फाइल किया गया है। पंजाब के रूपनगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कुमार विश्वास ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल ने उनसे कहा था कि वह पंजाब के सीएम बनना चाहते हैं और यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर आजाद खालिस्तान के पीएम बन जाएंगे।

इस बयान के बाद खालिस्तानी कट्टरपंथियों से अरविंद केजरीवाल के रिश्ते के आरोपों पर राजनीति तेज हो गई थी और इसे लेकर कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी पर हमला बोला था। कुमार विश्वास की इस टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें वाई सिक्योरिटी मुहैया कराई थी। कुमार विश्वास के आरोपों के बाद भाजपा और कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी पर हमला बोला था। रूपनगर के एसएसपी डॉ. संदीप गर्ग ने कहा कि कुमार विश्वास के खिलाफ 12 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा एक शिकायत की गई थी कि कुमार विश्वास ने इंटरव्यू में जो बयान दिया था, वह समाज में रंजिश को बढ़ावा देने वाला है। उसके आधार पर ही उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बता दें कि बुधवार को सुबह पंजाब पुलिस के कुछ अधिकारी कुमार विश्वास के गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर 3 स्थित आवास पर पहुंचे थे। इस बात की जानकारी कुमार विश्वास ने खुद ट्वीट कर दी थी। इसके साथ ही कुमार विश्वास ने भगवंत मान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अरविंद केजरीवाल पंजाब की जनता के जनादेश का बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं और आने वाले समय में उन्हें भी धोखा देंगे। एसएसपी गर्ग ने कहा कि कुमार विश्वास को समन जारी कर जांच से जुड़ने के लिए कहा गया है, लेकिन वह अपने घर पर नहीं मिले। पुलिस ने उनके घर पर नोटिस दिया है कि वह जांच में शामिल हो जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कुमार विश्वास जांच में शामिल नहीं होते हैं तो फिर उन्हें पुलिस गिरफ्तार करेगी।

अमित शाह के चार मई को तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल आने की संभावना

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चार मई से तीन दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल आने की संभावना है। पार्टी के नेताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद शाह का राज्य का यह पहला दौरा होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि शाह के चार से छह मई तक राज्य का दौरा करने तथा राज्य पार्टी नेतृत्व के साथ बैठक करने के अलावा कुछ आधिकारिक कार्यक्रमों में भी शामिल होने की संभावना है। मजूमदार ने कहा, 'वह उत्तर बंगाल में पार्टी के कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे, पार्टी नेताओं से मिलेंगे और दक्षिण बंगाल में संगठनात्मक बैठकें करेंगे।' शाह के राज्य के पार्टी विधायकों और सांसदों के साथ बैठक करने की भी संभावना है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले साल के विधानसभा चुनाव के बाद अमित शाह का राज्य का यह पहला दौरा होगा। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के लिए वह हमें एक दिशा और रोडमैप दे सकते हैं।' शाह की प्रस्तावित यात्रा इसलिए भी अहम है क्योंकि विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा की प्रदेश इकाई अंदरूनी कलह का सामना कर रही है और कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं।

महाराष्ट्र सरकार जून में ऐसे गिर जाएगी, जैसे तूफान में पेड़ गिरते हैं: केंद्रीय मंत्री राणे

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने दावा किया कि महाराष्ट्र की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार जून में गिर जाएगी। यहां से लगभग 570 किलोमीटर दूर वाशिम में संवाददाताओं से बात करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह उनके पैतृक क्षेत्र कोंकण में तूफानों में पेड़ों गिर जाते हैं, उसी तरह एमवीए सरकार गिर जाएगी। राणे ने तंज करते हुए कहा कि तूफान में सभी शाखाएं और पत्तियां नीचे गिर जाती हैं और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, जो एक कमजोर शाखा पर बैठे हैं, वो भी अपना पद खो बैठेंगे। गौरतलब है कि जहां भाजपा नेताओं द्वारा नियमित रूप से दावा किया जा रहा है कि राज्य सरकार गिर जाएगी, वहीं, सत्तारूढ़ गठबंधन ने इन दावों को खारिज कर कहा है कि एमवीए गठबंधन 2024 के विधानसभा चुनाव भी जीतेगा। महाराष्ट्र में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की गठबंधन सरकार है।

अंतर्कलह से जूझ रही पंजाब कांग्रेस ! सिद्धू बोले- पार्टी चुनाव हार गई है लेकिन मरी नहीं

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में घमासान मचा हुआ है। इसी बीच कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि पार्टी हार गई है लेकिन मरी नहीं है। आपको बता दें कि पंजाब कांग्रेस में नए प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्त के बाद से टकराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। जिसके बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने साफ कर दिया कि मीटिंग कोई भी कर सकता है लेकिन मुद्दा पार्टी की मजबूती का होना चाहिए। दरअसल, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग मंगलवार को लुधियाना में पूर्व विधायकों से मुलाकात कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने पार्टी की मजबूती की बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सभी को साथ में लेकर चलना होगा। कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कोई भी मीटिंग करे, मुझे परेशानी नहीं है। इस मामले में नवजोत सिंह सिद्धू का बयान सामने आया है। समाचार एजेंसीके मुताबिक, कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि पार्टी हार गई है लेकिन मरी नहीं है। पंजाब में कांग्रेस रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। हम पंजाब में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे। राज्य में जवाबदेह हो सरकार।

सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर 21 को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी सिख पंथ के नौवें गुरु तेगबहादुर के प्रकाश पर्व के मौके पर 21 अप्रैल को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। 400वें प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन के लिए 400 ही रागियों को आमंत्रित किया गया है। इसका अपना प्रतीकात्मक महत्व है। सबसे अहम बात गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर लाल किले से संबोधन है। सिख इतिहास के जानकार मानते हैं कि यह पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रवाद और सिख इतिहास पर एक संदेश देने का प्रयास है।

लाल किले पर आयोजन का महत्व बताते हुए संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि मुगलों ने लाल किले पर गुरु तेग बहादुर को फांसी देने का आदेश दिया था। गुरु तेग बहादुर सिखों के नवें गुरु थे। उन्होंने काश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया था। 1675 में मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को कहा। जिस पर गुरु तेग बहादुर ने कहा कि सीस कटा सकते हैं केश नहीं। इसके बाद औरंगजेब ने तेग बहादुर का सिर काट दिया था। गुरु तेग बहादुर को समर्पित दिल्ली के चांदनी चौक का गुरुद्वारा शीशगंज गुरुद्वारा साहिब के नाम से जाना जाता है। क्योंकि लाल किले के पास इसी जगह पर औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर का सिर काटा था। बता दें कि लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री द्वारा हर साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करने की प्रथा रही है। लेकिन इस बार पीएम मोदी गुरु तेग बहादुर की जयंती पर लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। इसके कई मायने हैं।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। इसके अलावा दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन बुधवार को शबद कीर्तन में चार सौ रागी प्रस्तुति देंगे। गुरु तेग बहादुर के जीवन, संघर्ष और वीरता को प्रदर्शित करने वाला 15 मिनट का लाइट एंड साउंड शो भी होगा।

समारोह के पहले दिन बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह स्मारक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। बुधवार को शबद कीर्तन में करीब 400 बच्चे हिस्सा लेंगे। वह लाल किले में मल्टीमीडिया शो 'द लाइफ एंड सैक्रिफाइस ऑफ गुरु तेग बहादुर जी' का भी उद्घाटन करेंगे।

जयशंकर की विदेश नीति का कायल हुआ रूस, लावरोव ने बताया- अनुभवी राजनयिक और असली देशभक्त

लखनऊ। (एजेंसी)

यूक्रेन और रूस की जंग के बीच जिस तरह से जयशंकर ने रूस और अमेरिका दोनों को साध रखा है। एक भारत की तरफ से मध्यस्थता की बात करता नजर आता है तो दूसरा उसे अपना अहम साझेदार बताया है। भारत के स्टैंड को लेकर देश दुनिया में उसके सूझबूझ की प्रशंसा हो रही है। अब रूसी समकक्ष भी भारतीय विदेश मंत्री की फॉरेन पॉलिसी के कायल हो गए हैं और उनको लेकर बड़ी बात कह दी है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को ₹अपने देश का असली देशभक्त₹ बताया है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मास्को से आयात में कटौती के बढ़ते दबाव के बीच भारत ने अपनीविदेश नीति तय करने की बात कही है।

अनुभवी राजनयिक और असली देशभक्त

इंडिया टुडे के साथ एक विशेष साक्षात्कार में सर्गेई लावरोव ने कहा कि विदेश मंत्री जयशंकर एक अनुभवी राजनयिक और अपने देश के असली देशभक्त हैं। जब उन्होंने कहा था कि₹ हम अपने देश के लिए निर्णय इस आधार पर लेंगे कि भारत को अपनी जरूरतों के लिए क्या चाहिए। सर्गेई ने कहा कि बहुत सारे देश ऐसा नहीं कह पाते।

भारत-रूस संबंधों पर कही ये बात

सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस खाद्य सुरक्षा, रक्षा या कुछ रणनीतिक क्षेत्रों के लिए अपने किसी भी पश्चिमी सहयोगी पर भरोसा नहीं कर सकता है। रूसी विदेश मंत्री ने आगे कहा कि भारत हमारा बहुत पुराना दोस्त है। रूस भारत को रक्षा क्षेत्र में जो भी आवश्यता होगी सहायता प्रदान करता रहेगा। सर्गेई ने कहा कि पहले हम भारत के साथ संबंधों को रणनीतिक साझेदारी समझ रहे थे। लेकिन करीब 20 साल पहले भारत ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए इसे 'विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' कहने की बात कही। इसके साथ ही सर्गेई ने भारत रूस संबंधों को अनोखा द्विपक्षीय संबंध बताया।

गैंगस्टर अबू सलेम को 25 साल से अधिक की नहीं दी जाएगी सजा, हलफनामे में केंद्र ने सुप्रीम दी जानकारी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय गृह सचिव ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार तत्कालीन उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा पुर्तगाल सरकार को दिए गए इस आश्वासन के चलते बाध्य है कि गैंगस्टर अबू सलेम को 25 साल से अधिक की सजा नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने 12 अप्रैल को केंद्रीय गृह सचिव को निर्देश दिया था कि वह हलफनामा दाखिल कर बताएं कि क्या भारत सरकार पुर्तगाल सरकार को दिए गए इस औपचारिक आश्वासन का पालन करने जा रही है कि कुख्यात अपराधी अबू सलेम को दी गई अधिकतम सजा 25 साल से ज्यादा नहीं होगी।

कोर्ट के इस आदेश के बाद दाखिल हलफनामे में केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने कहा कि 10 नवंबर, 2030 को 25 साल की अवधि समाप्त हो जाने के बाद यह आश्वासन प्रभावी होगा। शपथ पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार 17 दिसंबर, 2002 के आश्वासन के चलते बाध्य है। आश्वासन में जिस 25 साल की अवधि का जिक्र किया गया है, भारत उसका उचित समय पर पालन करेगा। गृह सचिव ने अभ्यावेदन में कहा कि आश्वासन का पालन नहीं किए जाने का सलेम का दावा समय से पहले किया गया है और काल्पनिक अनुमानों पर आधारित है तथा वर्तमान कार्यवाही में उसे नहीं उठाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका द्वारा अपनाए गए किसी भी रुख से बंधे बिना और आपराधिक मामलों सहित सभी मामलों में लागू कानूनों के अनुसार फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। इस मामले पर न्यायमूर्ति एस के कौल और एम एम सुंदरेश की पीठ 21 अप्रैल को सुनवाई करेगी। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्र से इस विषय पर रुख स्पष्ट करने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि केंद्र सरकार की इस प्रतिबद्धता पर उसके रुख का अगली बार किसी भगोड़े को देश लाने के संबंध में व्यापक असर पड़ेगा।

जहांगीरपुरी में चल रहे बुलडोजर पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, यथास्थिति बनाए रखने के दिए निर्देश

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली के हिंसा प्रभावित जहांगीरपुरी इलाके में प्रशासन के अतिक्रमण रोधी अभियान पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने दंगे के आरोपियों के खिलाफ कथित तौर पर लक्षित नगर निकायों की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका भी सुनवाई के लिए स्वीकार कर ली। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने मौजूदा हालात में यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। उसने कहा कि याचिका को उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी सहित अन्य नगर निकायों के विशेष अतिक्रमण रोधी अभियान के खिलाफ दायर एक याचिका का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 'निर्माण ढहाने के लिए पूरी तरह से अनधिकृत और असंवैधानिक' आदेश दिया गया है। दवे ने आरोप लगाया कि निर्माण ढहाने की कार्रवाई बुधवार दोपहर दो बजे शुरू होनी थी, लेकिन यह सुबह नौ बजे से ही प्रारंभ कर दी गई और कथित उल्लंघनकताओं को इस बाबत कोई अनिवार्य नोटिस नहीं दिया गया है। जहांगीपुरी में बीते शनिवार को हुनमान जयंती के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसक झड़कें हुई थीं। इस दौरान आठ पुलिसकर्मी और एक स्थानीय निवासी घायल हो गया था।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच दिल्ली में फिर लौटा पाबंदियों का दौर, मास्क न पहनने पर लगेगा 500 रुपए का जुमार्ना

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

एक अप्रैल कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में गिरावट के चलते देश के कुछ राज्यों में मास्क नहीं लगाने पर जुमार्ना न लगाने का निर्णय लिया गया था। जिसमें देश की राजधानी दिल्ली भी शामिल था। लेकिन दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामले के बीच एक बार फिर से सख्त पार्बंदियों की वापसी होती दिख रही है। बताया जा रहा है कि दिल्ली में मास्क पहनने को फिर से अनिवार्य कर दिया गया है। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बुधवार को अपनी बैठक में फैसला किया है कि दिल्ली में एक बार फिर मास्क अनिवार्य होगा। मास्क न पहनने वालों पर 500 रुपये के जुमार्ने का प्रावधान भी किया गया है।

बता दें कि इसके लिए एक एसओपी भी जारी की गई है। जिसमें कोविड प्रोटोकॉल के सख्ती से पालन की बात कही गई है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजधानी में कोरोना की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने स्कूलों को लेकर पहले ही एसओपी जारी कर दी है। डीडीएमए की बैठक में टेस्टिंग और वैक्सीनेशन पर जोर दिए जाने की भी चर्चा है।

एक अप्रैल कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में गिरावट के चलते देश के कुछ राज्यों में मास्क नहीं लगाने पर जुमार्ना न लगाने का निर्णय लिया गया है लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस तरह से प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने को जल्दबाजी वाला कदम बताया था। उनका कहना है कि मास्क का प्रयोग करने से कोरोना वायरस के अलावा इन्फ्लुएंजा और स्वाइन फ्लू से भी बचा जा सकता है। महाराष्ट्र और दिल्ली की सरकारों ने हाल में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने की अनिवार्यता में ढील देने का निर्णय लिया था। पिछले दो साल से लागू इस नियम के तहत मास्क नहीं लगाने पर दो हजार रुपये के जुमार्ने का प्रावधान था। जिसके बाद 11 से 18 अप्रैल के बीच, दिल्ली में दैनिक कोविड मामलों की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि देखी गई, जिससे स्थिति ऐसे समय में चिंता का विषय बन गई। मंगलवार को, दिल्ली ने 4.42% की सकारात्मकता दर के साथ 632 ताजा कोविड -19 मामले दर्ज किए। सोमवार कोये आंकड़ा 501 था। जबकि सकारात्मकता दर 7.72% थी।

5 राज्यों में मिली शिकस्त के बाद खुद को पुनर्जीवित करने में जुटी कांग्रेस

सोनिया कर रहीं ताबड़तोड़ बैठकें, मई में हो सकता है चिंतन शिविर

नई दिल्ली (एजेंसी)

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में बुरी तरह हार का सामना करने के बाद कांग्रेस का रंग बदला-बदला नजर आ रहा है। पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी सक्रिय हो गई हैं और ताबड़तोड़ बैठकें कर रही हैं। इसके साथ ही अपने बच्चों प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के साथ मिलकर फैसला भी कर रही हैं। पिछले 5 दिनों में कांग्रेस अध्यक्षा ने चुनावी रणनीतिक प्रशांत किशोर उर्फ पीके के साथ 3 बैठकें की हैं। जिसमें शनिवार की बैठक सबसे ज्यादा अहम रही। इस बैठक में प्रशांत किशोर ने एक प्रेजेंटेशन दिया था, जिसमें कांग्रेस को फिर से जीवित करने का पूरा रोडमैप था। इसी के साथ ही कांग्रेस में प्रशांत किशोर की जल्द एंट्री भी हो सकती है। हालांकि अंतिम निर्णय सोनिया गांधी को लेना हैं।

कांग्रेस में हो रहा गहन मंथन

प्रशांत किशोर की ओर से अगले लोकसभा चुनाव और कांग्रेस में नई जान फूंकने के लिए पेश की गई रणनीति पर पार्टी के भीतर गहन मंथन का दौर जारी है। कई महीनों बाद कांग्रेस की रणनीतिक बैठक में दिग्विजय सिंह भी दिखाई दिए। लेकिन आगामी गुजरात चुनाव को देखते हुए अशोक गहलोत को भी शामिल किया जाना था। पिछले चुनावों में अशोक गहलोत की कुशल रणनीति के दम पर कांग्रेस ने गुजरात में भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि कुछ नेताओं की गलतियों के चलते पार्टी यह चुनाव गंवा बैठी थी। खैर बैठकों में महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, अंबिका सोनी, मल्लिकार्जुन खड़गे, रणदीप सिंह सुरजेवाला समेत कई पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए।

कांग्रेस का रिवाइवल प्लान

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सोनिया गांधी के साथ पहली बैठक में प्रशांत किशोर ने कांग्रेस को पुनर्जीवित करने की योजना के बारे में इत्मीनान से समझाया। जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी को लोकसभा की 370 सीटों पर अपना ध्यान केंद्रित करना है और बाकी की सीटों पर गठबंधन के माध्यम से आगे बढ़ा जा सकता है। इसके अतिरिक्त आगामी विधानसभा चुनावों पर भी चर्चा हुई थी। जिसमें गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

प्रशांत किशोर की इस योजना पर विचार-विमर्श करने के लिए सोनिया गांधी ने पार्टी नेताओं की एक कमेटी बनाई है। वहीं, माना जा रहा है कि मई के दूसरे सप्ताह में जयपुर में चिंतन शिविर का आयोजन हो सकता है। इससे पहले पार्टी अध्यक्षा कांग्रेस की कायाकल्प का स्वरूप तय करने में जुटी हुई हैं। पिछले कुछ दिनों से वो लगातार बैठकें कर रही हैं। ताकि पार्टी के भीतर उठ रही तमाम परेशानियों का समाधान किया जा सके।

कांग्रेस अध्यक्षा ने सोमवार को फिर बैठक की थी, जो करीब 6 घंटे तक चली। इसमें आगामी विधानसभा चुनावों और साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी का क्या रणनीति होनी चाहिए, इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की स्थिति क्या है, किस राज्य में पार्टी कमजोर है और किसमें मजबूत है और अगर कमजोर है तो किसके साथ गठबंधन किया जा सकता है। इस तरह के तमाम सवालों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसी कड़ी में बुधवार को कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, भूपेश बघेल और अशोक गहलोत के साथ भी चर्चा की गई।

अवैध अतिक्रमण पर एक्शन को लेकर भड़के राहुल, कहा- नफरत के बुलडोजर बंद करो और बिजली संयंत्रों को चालू करो

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) ने जहांगीरपुरी में दो दिवसीय अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए जाने की घोषणा की है। मामला सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पर पहुंच गया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए। जहांगीरपुरी में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर को लेकर पूरे देश में राजनीति खूब तेज हो गई और बयानों का दौर भी शुरू हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कोयले की कमी से संभावित बिजली संकट का जिक्र करते हुए मोदी सरकार को सलाह दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 8 साल की बड़ी चर्चा के परिणामस्वरूप भारत के पास केवल 8 दिनों का कोयला भंडार है। मोदी जी, महंगाई का दौर चल रहा है। बिजली कटौती से छोटे उद्योग धराशायी हो जाएंगे, जिससे नौकरियों का और नुकसान होगा। नफरत के बुलडोजर बंद करो और बिजली संयंत्रों को चालू करो! गौरतलब है कि इससे पहले भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए पीएम मोगी पर निशाना साधा था। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा था कि मोदी जी ना सच बोलते हैं, ना बोलने देते हैं। वो तो अब भी झूठ बोलते हैं कि ऑक्सीजन संकट से कोई नहीं मरा! मैंने पहले भी कहा था - कोविड में सरकार की लापरवाहियों से 5 लाख नहीं, 40 लाख भारतीयों की मौत हुई। फर्ज निभाईये, मोदी जी - हर पीड़ित परिवार को 4 लाख का मुआवजा दीजिए।

सार समाचार

चीन के सबसे बड़े शहर शंघाई में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़ी

बीजिंग। चीन के सबसे बड़े शहर एवं वैश्विक कारोबार केंद्र शंघाई में कोविड-19 के कारण सात और लोगों की मौत हो गयी है। इन्हें मिला कर, शंघाई में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 17 मरीजों की मौत हो चुकी है, हालांकि नए मामलों में अब गिरावट आ रही हें चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, चीन में इस महामारी के कारण मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 4,655 पहुंच गयी है। चीन के वुहान में दिसंबर 2019 में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था और फिर यह महामारी

दुनिया भर में फैली थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक चीन में बीते 24 घंटे के दौरान स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के 2,753 नये मामले दर्ज किए गए, जिसमें से केवल शंघाई में ही 2,494 नये मामले सामने आए। करीब 2.6 करोड़ की आबादी वाले शंघाई में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के कारण संक्रमितों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। ज्यादातर लोगों में कोई लक्षण नहीं हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, चीन में बीते 24 घंटे के दौरान स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण के 17,166 ऐसे मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें बीमारी का कोई लक्षण मौजूद नहीं था। चीन में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 30,773है। इस बीच, शंघाई में लोगों में बढ़ते आक्रोश के मद्देनजर प्रशासन की ओर से शहर में लॉकडाउन संबंधी पाबंदियों को धीरे-धीरे हटाया जा रहा है।

24 फरवरी से अब तक यूक्रेन से 50 लाख लोगों ने किया पलायन, संयुक्त राष्ट्र ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

बर्लिन। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी का कहना है कि 24 फरवरी को रूसी आक्रमण शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से पलायन कर चुके हैं। शरणार्थियों के लिए जिनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने बुधवार को शरणार्थियों की कुल संख्या 50 लाख 10 हजार बताई। इन लोगों में से आधे से अधिक, करीब 28 लाख सबसे पहले पोलैंड भाग गए। उनमें से बहुत से लोग हालांकि वहां रुके हैं, लेकिन काफी लोगों के वहां से आगे चले जाने की सूचना है। इनकी सटीक संख्या की जानकारी हालांकि नहीं है। यूरोपीय संघ के भीतर सीमा जांच चौकियां कम हैं। यूएनएचसीआर ने 30 मार्च को कहा था कि 40 लाख लोग यूक्रेन से भाग गए हैं। युद्ध की शुरूआत की तुलना में हाल के हफ्तों में पलायन कुछ धीमा था। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि शरणार्थियों के अलावा,यूक्रेन के भीतर 70 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। युद्ध से पहले यूक्रेन की जनसंख्या चार करोड़ चालीस लाख थी।

अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने जहांगीरपुरी हिंसा की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा की मंगलवार को निंदा की और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जहांगीरपुरी में 16 अप्रैल को जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हो गई थी, जिसमें आठ पुलिसकर्मियों समेत नौ लोग घायल हो गए। हिंसा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'इंडियन अमेरिकन फोरम' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संपत शिवांगी ने कहा कि 'कुछ असहिष्णु समूह इन दुर्भावनापूर्ण कृत्यों का नेतृत्व कर रहे हैं, जिन्हें विविधता में एकता वाले राष्ट्र के बड़े उद्देश्य के लिए रोका जाना चाहिए।' 'अमेरिकन्स फॉर हिन्दू' के अध्यक्ष और संस्थापक डॉ. रोमेश जापरा ने जहांगीरपुरी में हिंसक घटना की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका और पूरी दुनिया को इसकी कड़ी आलोचना करनी चाहिए और दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। ग्लोबल ऑर्गनाइजेशन ऑफ पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन (जीओपीआईओ) के अशोक भट्ट ने कहा कि वह सामुदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के उद्देश्य से हिंसा के किसी भी कृत्य की निंदा करते हैं। ह्यसिलिकॉन वैली इंटररिलिजियस काउंसिलह्व में बोर्ड की सदस्य सोमांजना चटर्जी ने कहा कि घटना के अपराधियों को कानूनी प्रणाली के अनुसार समुचित रूप से दंडित किया जाना चाहिए।

बोरिस जॉनसन ने 'पाटीर्गेट' मामले में माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने लॉकडाउन के दौरान एक गैर कानूनी पार्टी में शामिल होने के लिए मंगलवार को 'तहेदिल' से माफी मांगी, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने जानबूझ कर नियमों को नहीं तोड़ा या संसद को गुमराह नहीं किया था। प्रधानमंत्री ने निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में सांसदों से कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगा' कि जन्मदिन के लिए केक के साथ लोगों का एकत्रित होना कोई पार्टी थी। विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने जॉनसन की इस माफी को 'अधूरे मन' से मांगी गई माफी बताया और इसे 'मजाक' करार दिया। उन्होंने कहा, 'वह (जॉनसन) जानते हैं कि वह बेईमान हैं और खुद को बदल नहीं सकते हैं।' कंजरवेटिव पार्टी के कुछ सांसद खुलेआम जॉनसन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की बात कर रहे थे। लेकिन यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण जनता और राजनीतिक ध्यान भटकने से जॉनसन अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से बच गए। जॉनसन बृहस्पतिवार को भारत यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। पिछले सप्ताह जॉनसन पर जून 2020 में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में अपने जन्मदिन पर आयोजित पार्टी में शामिल होने के लिए 50 पाउंड का जुमार्ना लगाया गया था। इससे वह ऐसे पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बन गए हैं जिन्हें पद पर रहते हुए नियम तोड़ने को दोषी पाया गया है। पुलिस सरकारी भवन में हुई अन्य कई पार्टियों का भी पता लगा रही है जिनमें कथित तौर पर जॉनसन शामिल हुए थे। ईस्टर के उपलक्ष्य में 11 दिन की छुट्टी के बाद जॉनसन ने सांसदों से माफी मांगी।

मेरी गलतियों के कारण देश आर्थिक संकट में घिरा: श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने स्वीकार किया है कि उन्होंने गलतियां कीं, जिसके कारण देश दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट से घिर गया। राष्ट्रपति ने अपनी गलतियों को सुधारने का संकल्प भी किया। राजपक्षे ने सोमवार को 17 मंत्रियों की नयी कैबिनेट का गठन किया, जिसमें उनके भाई प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, उनके परिवार की ओर से एकमात्र सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने नयी कैबिनेट के समक्ष अपनी गलती स्वीकारी। गोटबाया राजपक्षे ने कहा, ह्यह्य पिछले ढाई साल में हमने कई चुनौतियों का सामना किया है..कोविड-19, ऋण का बोझ तथा कुछ गलतियां हमारी रहीं।' उन्होंने कहा, ह्यह्यउन्हें सुधारे जाने की आवश्यकता है। हमें उन्हें सुधारना होगा और आगे बढ़ना होगा। हमें लोगों का भरोसा पुनः जीतना होगा।' गोटबाया राजपक्षे ने कहा कि उन्हें 2020 में रासायनिक उर्वरकों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर अफसोस है, जिसके कारण देश में खाद्य उत्पादन में भारी गिरावट आई और देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए।

डरबन में आई बाढ़ के बाद बचाव व राहत दल लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास में लगा।

भारत ने भोजन निर्यात प्रतिबंधों से छूट देने की सिफारिश का स्वागत किया

जिनेवा । भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस की वैश्विक संकट प्रतिक्रिया समूह की मानवीय सहायता के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा की जाने वाली खरीद को तत्काल प्रभाव से भोजन निर्यात प्रतिबंधों से छूट देने की सिफारिश का स्वागत किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आर रविंद्र ने यूक्रेन में मानवीय संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि भारत ने गुतारेस के वैश्विक संकट प्रतिक्रिया समूह कार्य दल के पिछले हफ्ते जारी निष्कर्षों को देखा है। रविंद्र ने कहा कि भारत मानवीय सहायता के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा की जाने वाली खरीद को तत्काल प्रभाव से भोजन निर्यात प्रतिबंधों से छूट देने की उनकी सिफारिश का स्वागत करता है।

निष्कर्षों में कहा गया था कि यूक्रेन की जंग ने त्रिआयामी संकट पैदा हुए हैं, जिसमें खाद्य, ऊर्जा और वित्त शामिल हैं, ये विश्व की अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डाल रहे हैं जो पहले से ही कोरोना और जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित है। उसमें कहा गया है कि यूक्रेन और रूस दुनिया का लगभग 30 प्रतिशत गेहूं उपलब्ध कराता है। साथ में दुनिया में उत्पादित होने वाले मक्का का पांचवां हिस्सा और आधे से ज्यादा सूरजमुखी का तेल देता है। रूस प्राकृतिक गैस का दुनिया का शीर्ष निर्यातक और दूसरा सबसे बड़ा तेल निर्यातक है।

'रूसी सैनिकों ने बर्बरता ही सारी हदें पार कर दी' जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम जारी एक वीडियो संदेश में दिया बयान

कीव (यूक्रेन)। (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस की सेना को दुनिया की सबसे बर्बर सेना करार दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी सके सैनिकों के पास जो भी हथियार उपलब्ध हैं, वे यूक्रेन के खिलाफ उन सभी का इस्तेमाल कर रहे हैं। जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा, ह्लरूसी सैनिकों ने बर्बरता ही सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने हर उस व्यक्ति और वस्तु को निशाना बनाया है, जो यूक्रेन के खिलाफ उनके संघर्ष का सामना करने में मददगार हैं ह्ल यूक्रेनी राष्ट्रपति ने केवल सैन्य स्थलों पर हमले करने के रूसी दावों को खारिज किया।

उन्होंने कहा कि रूसी सैनिकआवासीय क्षेत्रों को लगातार निशाना बनाकर आम नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, इस युद्ध में रूसी सेना खुद को विश्व इतिहास में दुनिया की सबसे बर्बर और अमानवीय सेना के रूप में दर्ज करा रही है। उन्होंने पश्चिमी देशों से जल्द से जल्द हथियारों की आपूर्ति करने की अपील करते हुए कहा, अगर हमें अभी हथियार मिलते हैं तो हम उनकी मदद से हजारों लोगों की जान बचा सकते हैं। अन्य

घटनाक्रम -यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों में विस्थापित लोग ल्वीव के अपार्टमेंट में शरण लेना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने ईस्टर के मद्देनजर यूक्रेन में चार दिन के युद्ध-विराम का आग्रह किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन आगामी कुछ दिनों में यूक्रेन के लिए एक नए सुरक्षा सहायता पैकेज की घोषणा कर सकते हैं। इसके तहत कीव को अतिरिक्त तोपें और गोला-बारूद प्रदान किया जा सकता है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने कहा कि रूसी बलों से निपटने में मदद देने के लिए कनाडा यूक्रेन को बड़ी संख्या में तोपें भेजेगा। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का कहना है कि सेवामुक्त किए गए चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र और यूक्रेन के परमाणु नियामक के बीच संपर्क के लिए सीधी फोन सेवा बहाल कर दी गई है। अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण के कारण संभावित वैश्विक खाद्य संकट से निपटने के लिए मंगलवार को दुनिया के विभिन्न देशों के वित्त मंत्रियों से ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

अमेरिका-भारत का प्रगाढ़ संबंध वैश्विक व्यवस्था मजबूत बनाएगा: सीतारमण

यरुशलम। (एजेंसी)

वाशिंगटन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका और भारत का संबंध प्रगाढ़ है और इस चुनौतीपूर्ण समय में वैश्विक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।

शोध संस्थान अटलांटिक काउंसिल की तरफ से जारी बातचीत के वीडियो में उन्होंने कहा कि यह ऐसा समय है जब इन दो बड़े लोकतांत्रिक देशों को अपना उचित स्थान मिला है और वे एक-दूसरे के साथ काम करने में सहज हैं। सीतारमण ने कहा कि अमेरिका-भारत संबंध प्रगाढ़ हैं और इससे वैश्विक व्यवस्था मजबूत होगी।

उन्होंने कहा, 'हालांकि वैश्विक व्यवस्था अपने आप में एक ऐसी चीज है जिसे हमें नये सिरे से देखना होगा। आज बहुपक्षीय संस्थान वास्तव में उतने मजबूत... नहीं हैं, जितने कि वे एक समय में थे।' सीतारमण ने कहा, ह्यह्यसमय बदल रहा है। मुझे लगता है, अमेरिका और भारत के बीच इस तरह के संबंध सकारात्मक विकास के संकेत हैं।'

क्रिप्टो करेंसी के नियमन के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें कुछ समय लगेगा क्योंकि सरकार व्यापक स्तर पर विचार-विमर्श के आधार पर कायदे-कानून बनाने की कोशिश कर रही है।

अगले 12 माह में 8 लाख वीजा जारी करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका जाने के लिए वीजा पाने का प्रयास कर रहे भारतीयों के लिए खुशखबरी है। अमेरिकी दूतावास भारत में अगले 12 महीनों में 8 लाख वीजा जारी करने की प्रक्रिया पूरी करने जा रहा है। अमेरिकी दूतावास के एक सीनियर राजनयिक ने बताया कि इससे काफी लोगों को राहत मिलेगी। अमेरिकी दूतावास में कांसुलर मामलों के मंत्री काउंसलर डोनाल्ड एल हेफ्लिन ने कहा, अगले 12 महीनों में 8,00,000 वीजा जारी होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा हमने वीजा प्रोसेसिंग के लिए बहुत सारे स्लॉट खोले हैं, ताकि एच और एल वीजा की मांग को पूरा किया जा सके। कोविड-19 के प्रकोप से पहले जारी किए गए कुल वीजा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा 1.2 मिलियन वीजा जारी किए गए थे। अमेरिकी दूतावास में कांसुलर मामलों के मंत्री काउंसलर डोनाल्ड एल हेफ्लिन ने बताया कि 2023 या 2024 तक वीजा प्रोसेसिंग की संख्या पूर्व-कोविड -19 स्तर तक पहुंच जाएगा। हेफ्लिन ने कहा कोविड-19 से पहले 12 लाख वीजा जारी किए गए थे। हमें उम्मीद है कि 2023-24 में किसी समय उस स्तर तक पहुंच जाएगा। कांसुलर कार्यालय भी पूरे भारत में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रहे थे और वीजा प्रोसेसिंग में इन कार्यालयों में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि से तेजी आएगी। डोनाल्ड एल हेफ्लिन ने कहा कोरोना के कारण वीजा प्रोसेसिंग 50 प्रतिशत कर्मचारियों द्वारा की गई थी। हम अपने कार्यालयों में और कर्मचारियों को जोड़ेंगे, हम हैदराबाद में एक बड़ा आफिस खोल रहे हैं। नई दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पहले से ही 100 प्रतिशत कर्मचारी हैं।

खत्म नहीं हो रहा पाकिस्तान का सियासी ड्रामा, राष्ट्रपति को हटाने की तैयारी में पीएमएल-एन, लाया जाएगा महाभियोग

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान में इमरान खान के गद्दी से उतारे जाने और शहबाज शरीफ के नए प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता संभालने के बाद भी सियासी पॉलिटिकल ड्रामा जारी है। महाभियोग के जरिये राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को हटाने की तैयारी है। बताया जा रहा है कि आरिफ अल्वी से सत्ताधारी पार्टी नाराज चल रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी पर महाभियोग चलाने की योजना की तैयारी में है।

महाभियोग की संभावना पहले पाक सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब द्वारा उठाई गई थी और फिर सीनेटर अफनानुल्लाह खान द्वारा विस्तृत की गई थी। औरंगजेब ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस नें पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि अल्वी को पता होना चाहिए कि वह पाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं, पीटीआई के नहीं। अगर वह राजनीति में शामिल होना चाहते हैं, तो उन्हें राष्ट्रपति का पद छोड़ना होगा।

बता दें कि पाकिस्तान के संविधान के तहत, राष्ट्रपति पर नेशनल असेंबली और सीनेट के

संयुक्त सत्र के दो-तिहाई बहुमत से ही महाभियोग चलाया जा सकता है। हालांकि पीएमएल-एन के सीनेटर अफनानुल्लाह ने कहा कि राष्ट्रपति को हटाने के लिए संयुक्त सत्र में कुल 290 मतों की आवश्यकता थी और सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी दलों के पास केवल 265 वोट हैं। यानी आवश्यक संख्या से 25 कम। अफनानुल्लाह ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन आरिफ अल्वी को हटाने के लिए असंतुष्ट पीटीआई सदस्यों तक पहुंचेगी।

बता दें कि इमरान सरकार के अविश्वास मत से हारने के बाद राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने अपने पद पर बने रहने की बात कही थी। लेकिन उसके बाद से ही उनका अलग रूख देखने को मिल रहा था। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने नए मंत्रिमंडल के सदस्यों को पद की शपथ दिलाने से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद शपथ कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। सीनेट के अध्यक्ष सादिक संजरानी ने उन्हें देश के 23वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई।

श्रीलंका में सरकार के खिलाफ अभी भी हो रहा विरोध प्रदर्शन, कर्फ्यू जारी; तीन लोगों की हालत गंभीर

कोलंबो। (एजेंसी)

श्रीलंका के दक्षिण पश्चिमी रामबुक्काना क्षेत्र में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक शख्स की मौत और 13 लोगों के जख्मी होने के बाद लगाया गया कर्फ्यू बुधवार को भी जारी रहेगा। पुलिस ने ईंधन की कीमत में फिर से बढ़ोतरी करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सरकार विरोधी निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई थी। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कहा कि वह घटना को लेकर बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के अधिकार में बाधा नहीं डाली जाएगी। राष्ट्रपति ने ट्वीट किया, 'श्रीलंकाई नागरिकों के शांतिपूर्वक विरोध करने के अधिकार में बाधा नहीं डाली जाएगी। श्रीलंका की पुलिस रामबुक्काना की घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच करेगी। घटना को लेकर मैं बहुत दुखी हूं। मैं सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि वे प्रदर्शन करने के दौरान हिंसा से दूर रहें।'

प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने कहा कि वह रामबुक्काना में हुई हिंसा से बहुत व्यथित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस सख्त और निष्पक्ष जांच करेगी। उन्होंने कहा, 'रामबुक्काना में हुई घटना से बेहद व्यथित हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रीलंका पुलिस सख्त, निष्पक्ष जांच करेगी, जिन्होंने हमेशा पूरे सम्मान के साथ श्रीलंका के लोगों की सेवा की है।' अधिकारियों के अनुसार, रामबुक्काना के केगाले अस्पताल में भर्ती कराए गए 13 प्रदर्शनकारियों में से कम से कम तीन की हालत गंभीर है। घटना में 15 पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं। पुलिस प्रमुख चंदन विक्रमरत्ने ने पत्रकारों को बताया कि इलाके में लगाया गया कर्फ्यू जारी रहेगा। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शनकारी कल हिंसक हो गए थे और उन्होंने रेल की पटरियों को जाम कर दिया था। वह पुराने दामों पर ही ईंधन दिए जाने की मांग कर रहे थे।' उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने दो 'ईंधन टैंकर' की व्यवस्था की, तो प्रदर्शनकारियों ने रेल की पटरियों को अवरुद्ध करते हुए एक वाहन की बैटरी निकाल ली। पुलिस प्रमुख ने कहा, 'पुलिस ने न्यूनतम बल का इस्तेमाल करते हुए आंसू गैस के गोले दागे।' श्रीलंका अप्रत्याशित आर्थिक संकट से जूझ रहा है और लोग लगातार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे प्रदर्शनों में पहली बार कल एक व्यक्ति की मौत हुई। जन सुरक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी जगत अलविस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने 33,000 लीटर ईंधन से भरे टैंकर को आग लगाने की कोशिश की। भीड़ को ऐसा करने से रोकने के लिए पुलिस को मजबूरन गोलियां चलानी पड़ी। अलविस ने बताया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के लिए अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया था या नहीं, इसकी जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति नियुक्त की गई है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र के दूतावासों ने बयान जारी कर पुलिस की गोलीबारी की निंदा की है। श्रीलंका में सोमवार की रात को ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी की गई थी, जिसके बाद मंगलवार को कई स्थानों पर लोगों ने इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। द्वीपीय राष्ट्र में तेल इकाइयां ईंधन की कमी के कारण नियमित रूप से कीमतों में बढ़ोतरी कर रही हैं। इस बीच, श्रम संगठनों ने सामूहिक रूप से कहा कि वे

चल रहे आर्थिक संकट के कारण सरकार पर इस्तीफा देने का दबाव बनाने के लिए 'काला विरोध' शुरू करेंगे। शिक्षकों के श्रम संगठन के प्रमुख जोसेफ स्टालिन ने कहा, 'हम काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करेंगे।' श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है, जिससे वह खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा है। महंगाई आसमान छू रही है। इसको लेकर देश में कई दिनों से विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग की जा रही है।

सुविचार तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की। - गुरु गोविंद सिंह

संपादकीय

व्यवस्था के पक्ष में

राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में घटी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ताजा फैसलों का महत्व समझा जा सकता है। योगी सख्त प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं और उनके ताजा निर्देश इस बात की ताईद करते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य की कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि नए धार्मिक जुलूसों की इजाजत न दी जाए और न ही नए धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने की। पारंपरिक जुलूसों और शोभायात्राओं के संदर्भ में भी उन्होंने तय मानदंडों का हरसूरत में पालन कराने का निर्देश दिया है। इसमें कोई दोराय नहीं कि आस्था नितांत निजी विषय है और देश का आईन अपने सभी नागरिकों को उपासना की आजादी देता है। लेकिन आस्था जब प्रतिस्पर्द्धा में तब्दील होने लगे, तब वह नियमन के दायरे में भी आ जाती है। बहुधर्मी भारतीय समाज में पूजा-इबादत की विविधता इसके सांस्कृतिक सौंदर्य का अटूट हिस्सा है और दुनिया इसकी मिसालें भी देती रही है। यह विशेषता एक दशक या दो सदी में हासिल नहीं हुई, समाज ने सहस्राब्दियों में इसको अर्जित किया है। पर इतिहास की तल्ख घटनाओं को कुरेदने की राजनीति से भाईचारे की संस्कृति को चोट पहुंच रही है। यही वजह है कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में जब हमारी ऊर्जा विज्ञान व पर्यावरण के जटिल मुद्दों को सुलझाने में खर्च होनी चाहिए थी, हमें सांप्रदायिक-सामुदायिक एकता को बचाने के लिए खर्च करनी पड़ रही है। ऐसा क्यों है?दरअसल, धार्मिक आडंबरों, जिदों के आगे समर्पण और इस या उस समुदाय के प्रति सख्ती-नरमी भरे प्रशासनिक रवैये से इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला है। यकीनन, इसके लिए हमारा समूचा राजनीतिक वर्ग जिम्मेदार है। किसी एक पार्टी या संगठन को इसके लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यदि प्रशासन पर सियासी दबाव न होते, तो ऐसी बहुत सारी समस्याएं सामाजिक विद्वेष की वजह ही नहीं बन पातीं। ऐसे में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उचित ही साफ किया है कि अब किसी के साथ कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। किसी भी धार्मिक जुलूस या शोभायात्रा के मार्ग, समय-अवधि या इसमें शिरकत करने वाले श्रद्धालुओं के संख्याबल को लेकर पुलिस की अपनी नियमावली है। यदि इसका ईमानदारी से पालन हो, तो न ट्रैफिक की समस्या हो सकती है और न सामाजिक माहौल बिगड़ सकता है, पर अक्सर इसकी अनदेखी होती है, जैसा कि जहांगीरपुरी विवाद में बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी का उत्तर प्रदेश में इसे सख्ती से लागू करने और पारंपरिक जुलूसों व शोभायात्राओं से पहले सभी धर्मों के सम्मानित गुरुओं की बैठकें करने का निर्देश टकराव टालने में अहम साबित होगा। प्रशासन को शोभायात्राओं में घातक हथियारों के प्रदर्शन के मामले में भी कठोर निगरानी करनी चाहिए। इसी तरह, मौजूदा यांत्रिक युग में अब बहुत ऊंची आवाज लगाने की आवश्यकता भी नहीं रह बची है। बेहतर तो यही होता कि सभी धर्मों के धर्माधिकारी सर्वधर्म सभा का आयोजन कर ऐसी मिसालें पेश करते और अपने-अपने समुदाय का मार्गदर्शन करते, मगर जब बदगुमानियां बढ़ने लगी हैं, सांप्रदायिक दुराव शांति-व्यवस्था के लिए खतरा बन गया है, तब राज्य-सत्ता का हस्तक्षेप उसका दायित्व भी है और जरूरत भी। देश को आर्थिक तरक्की के लिए शांत भारत चाहिए। दंगे और तनाव उसकी खुशहाली व प्रतिष्ठा को ग्रहण ही लगाएंगे।

आज के कार्टुन

स्त्री

श्रीराम शर्मा आचार्य

आसुरता इन दिनों अपने चरम पर है। दीपक की लौ बुझने को होती है तो अधिक तीव्र प्रकाश फेंकती और बुझ जाती है। असुरता भी जब मिटने को होती है तो जाते-जाते कुछ न कुछ करके जाने की ठान लेती है। इन दिनों हो भी यही रहा है। असुर अपने नये तेवर और नये हथियार के साथ आक्रमण करने पर उतारू हैं। यह भ्रम, अश्रद्धा, लांछन, लोकापवाद फैलाने तथा कोई आक्रमण करने या दुर्घटना उत्पन्न करने जैसे किसी भी रूप में हो सकता है। असुरता इस प्रकार के अपने षडयंत्रों को सफल बनाने में पूरी तत्परता के साथ लगी हुई है। उसका पूतना और ताड़का जैसा विकराल रूप देखने के लिए हम में से हरेक को तैयार रहना चाहिए। समुद्र मंथन के समय सबसे पहले विष निकला था। बाद में वारु णी, फिर धीरे-धीरे क्रमशः उसमें से रत्न निकलते गए। अमृत सबसे पीछे निकला था। गायत्री महायज्ञ के धर्म अनुष्ठान में भी पहले विष ही निकल रहा है। ईर्ष्यालु लोग विरोध और विलगता करते हैं, आगे और भी अधिक करेंगे। यह इस बात की परीक्षा के लिए है कि आयोजन के कार्यकर्ताओं में किसकी निष्ठा सच्ची, किसकी झूठी है। जो दृढ़ निश्चयी हैं वही अंत तक ठहरे तो उन्हें लाभ मिलेगा। उथले स्वभाव और बाल बुद्धि वाले सहयोगी हट जाएं तो कोई हर्ज भी नहीं है। इस छांट का काम निंदकों द्वारा बड़ी सरलता से पूरा हो जाता है। दुर्बल मनोभूमि वाले लोग तनिक सी संदेहास्पद बात सुनकर भाग खड़े होते हैं। भीड़ को हटाने की दृष्टि से यह पलायन उचित भी है। गायत्री आंदोलन के प्रभाव से अब साधकों की भीड़ भी बड़ी हो गई है। इनमें उच्च श्रेणी के सच्चे साधकों की परीक्षा के लिए यह उचित भी है कि झूठे-सच्चे लोकापवाद फैलें। विवेकवान लोग इन निंदाओं का वास्तविक कारण ढूंढेंगे तो सच्चाई मालूम पड़ जाएगी और उनकी श्रद्धा पहले से भी दूनी-चौगुनी बढ़ जाएगी, और जो लोग दुर्बल आत्मा के हैं, वे तलाश करने के झगड़े में न पड़कर सुनने मात्र से ही भाग खड़े होंगे। इस प्रकार दुर्बल आत्माओं की भीड़ सहज ही छूट जाएगी। असुरता के आक्रमणों से जहां यज्ञों में बड़ी अड़चनें पड़ती हैं, वहां 1) संयोजक में दृढ़ता-पुरुषार्थ का मुकाबला करने की शक्ति की अभिवृद्धि, 2) सच्चे धर्मप्रेमियों की सच्चाई जान लेने पर श्रद्धा का और अधिक विकास; और 3) दुर्बल आत्माओं की अनावश्यक भीड़ की छंटनी, ये तीन लाभ भी हैं।

महंगाई से राहत को पहल करे सरकार

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2022 में थोक महंगाई दर बढ़कर 14.55 फीसदी पर पहुंच गई। यह बीते चार माह में सर्वाधिक है। यह लगातार 12वां महीना रहा, जब थोक महंगाई दर 10 फीसदी से ऊपर रही। ज्ञातव्य है कि इस साल मार्च की खुदरा मुद्रास्फीति भी बढ़कर 6.95 फीसदी पर पहुंच गई, जो पिछले 17 महीनों में सर्वाधिक है। यह लगातार तीसरा महीना है जब खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के सहज स्तर 6 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। गौरतलब है कि विगत 24 फरवरी से शुरू हुए रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से वैश्विक जिंस बाजार में जिंसों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा चीन में कोविड-19 की वजह से कई क्षेत्रों में लॉकडाउन के कारण उत्पादन में कमी होने जैसे कारणों से दुनिया के सभी देशों की तरह भारत में भी महंगाई बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। जहां महंगाई की दर अमेरिका, ब्रिटेन, तुर्की, पाकिस्तान आदि अधिकांश देशों में भारत की तुलना में कई गुना अधिक है, वहीं जर्मनी, इटली, स्पेन सहित कई यूरोपीय देशों में खाद्य तेलों और आटे का स्टाक खत्म होते हुए दिखाई दे रहा है। लोग आवश्यकता से अधिक खरीद कर रहे हैं। ऐसे में कई यूरोपीय देशों के सुपर मार्केट के तहत ग्राहकों को सीमित मात्रा में सामान बेचने का नियम लागू कर दिया है। इतना ही नहीं, कई यूरोपीय देशों में उद्योग-कारोबार में गिरावट के कारण कर्मचारियों की छंटनी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। निःसंदेह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण पेट्रोल व डीजल की कीमतें बढ़ने से गरीब व मध्यम वर्ग की मुश्किलें बढ़ रही हैं तथा आर्थिक पुनरुद्धार को झटका लग रहा है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से बजट घाटे में वृद्धि होगी। बजट लक्ष्य भी गड़बड़ाएंगे। वर्ष 2022-23 का केंद्रीय बजट यूक्रेन संकट के पहले तैयार हुआ है। इसमें कच्चे तेल की कीमतों का झटका शामिल नहीं है। बजट तैयार करते समय कच्चे तेल की कीमत 70-75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया गया था। ऐसे में अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई-जनित मंदी की आशंका भी है। महंगाई-जनित मंदी का मतलब ऐसी स्थिति से है जब उत्पादन या वृद्धि में गतिहीनता आ जाए और महंगाई भी ऊंचे स्तर पर बनी रहे। यह स्थिति बेहद खतरनाक होती है। अगर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रहती है तो भारत का चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इस समय दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में भारत में महंगाई को तेजी से बढ़ने से रोकने में कुछ अनुकूलताएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। देश में अच्छी कृषि पैदावार खाद्य पदार्थों की कीमतों के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह भी एक बड़ी अनुकूलता है कि देश में न केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए आवश्यकता से अधिक चावल और गेहूं का सुरक्षित केंद्रीय भंडार भरपूर है, वरन् इस समय देश गेहूं और चावल का अभूतपूर्व निर्यात करते हुए भी दिखाई दे रहा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ वर्चुअल मीटिंग में यह आश्वासन दिया कि इस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खाद्यान्न की हर मांग को पूरा करने के लिए भारत मजबूत स्थिति में है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में महंगाई को नियंत्रित करने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उपयोगिता दिखाई दे रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक राशन प्रणाली के तहत करीब 80 करोड़ लाभार्थियों में से जनवरी, 2022 तक 77 करोड़ से अधिक लाभार्थी डिजिटल रूप से सभी राशन दुकानों से जुड़ गए हैं। इस पूरी प्रणाली को डिजिटल बनाने से तकरीबन 19 करोड़ अपात्र लोगों को बाहर किया गया है। यह संख्या कुल 80 करोड़ लाभार्थियों की करीब एक-चौथाई है। सरकार ने तिलहन और खाद्य तेलों पर भंडारण सील की अवधि छह महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2022 तक कर दी है। भंडारण सीमा के तहत खुदरा विक्रेता तीन टन तक और थोक व्यापारी 50 टन तक खाद्य तेल का भंडारण कर सकता है। इस कदम से जमाखोरी पर नियंत्रण रह सकेगा। गत 8 अप्रैल को रिजर्व बैंक ने कहा कि वह अब विकास दर में वृद्धि के बजाय महंगाई नियंत्रण को अधिक प्राथमिकता देगा और अपने नरम रुख को धीरे-धीरे वापस लेगा। गौरतलब है कि कोरोना महामारी शुरू होने के बाद मोदी सरकार ने अप्रैल, 2020 में गरीबों को मुफ्त राशन देने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) की शुरुआत की थी, जिसके तहत लाभार्थी को उसके सामान्य कोटे के अलावा प्रति व्यक्ति पांच किलो मुफ्त राशन दिया जाता है। यह योजना महंगाई की मार को कम करने में भी राहतकारी दिखाई दे रही है। विगत 26 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने यूक्रेन संकट की वजह से महंगाई को देखते हुए इस साल सितंबर, 2022 तक 80 करोड़ आबादी को मुफ्त में राशन देने का फैसला किया है। वहीं मजबूत आपूर्ति तथा घरेलू उत्पादन मुद्रास्फीति की दृष्टि से संवेदनशील दलहनों और खाद्य तेल कीमतों में बढ़ोतरी को नियंत्रित किया जा रहा है। भारत के पास अप्रैल, 2022 में करीब 610 अरब डॉलर का विशाल विदेशी मुद्रा भंडार चमकते हुए दिखाई दे रहा है। मौजूदा संकट के बीच भारत के चालू खाते का घाटा काफी कम है। ज्ञातव्य है कि आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी उदार मौद्रिक नीति की समीक्षा की है। पिछले दिनों 8 अप्रैल को संपन्न मौद्रिक नीति समीक्षा में केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं किया, मगर यह संकेत दिया कि वह अब आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के बजाय महंगाई पर अधिक ध्यान देगा। आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि का अनुमान भी कम कर दिया है जबकि मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ा दिया है। चूंकि कोविड-19 का महंगाई से सीधा संबंध है, अतएव पूर्ण टीकाकरण व बूस्टर खुराक पर पूरा ध्यान जरूरी है। सरकार को बारीकी से आवश्यक चीजों के बढ़ते दाम पर नजर रखनी होगी। कालाबाजारी पर नियंत्रण करना होगा। कच्चे तेल के वैश्विक दाम में तेजी के बीच तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम में दिलचस्पी और बढ़ानी होगी। यद्यपि रूस से भारत का तेल आयात एक प्रतिशत से भी कम है, लेकिन अब रूस से तेल आयात में वृद्धि की जानी लाभप्रद होगी और कच्चे तेल आयात का भुगतान रूबल में किया जाना लाभप्रद हो सकता है। चूंकि मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 के अप्रैल से दिसंबर के बीच पेट्रोलियम उत्पादों पर सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क के रूप में सरकार को करीब 24 फीसदी अधिक राजस्व मिला है, अतएव आने वाले महीनों में सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिए, जो ग्राहकों को पेट्रोल-डीजल की महंगाई से बचाए रखें। जिस तरह पिछले वर्ष 2021 में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 100 रुपए प्रति लीटर से अधिक होने पर केंद्र सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर सीमा व उत्पाद शुल्क में और कई राज्यों ने वैट में कमी की थी, वैसे ही कदम अब फिर जरूरी दिखाई दे रहे हैं। सरकार कच्चे तेल की कीमतों में हो रही वृद्धि को रोकने के लिए सामरिक सुरक्षित भंडार से कच्चा तेल जारी करने पर भी विचार कर सकती है।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

लेखक -चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

'हिन्द की चादर' गुरू तेग बहादुर

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ गुरू तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर विशेष)

सिखों के 8वें गुरू हरिकृष्ण राय की अकाल मृत्यु हो जाने के बाद तेग बहादुर को नवां गुरू बनाया गया था, जिनके जीवन का प्रथम दर्शन ही यही था कि धर्म का मार्ग सत्य और विजय का मार्ग है। सिखों के नवें गुरू तेग बहादुर सदैव सिख धर्म मानने वाले और सच्चाई की राह पर चलने वाले लोगों के बीच रहा करते थे, जिन्होंने न केवल धर्म की रक्षा की बल्कि देश में धार्मिक आजादी का मार्ग भी प्रशस्त किया। 1 अप्रैल 1621 को माता नानकी की कोख से जन्मे तेग बहादुर ने धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। धार्मिक स्वतंत्रता के पक्षधर रहे गुरू तेग बहादुर के प्रकाश पर्व के अवसर पर 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। गुरू तेग बहादुर ने हिन्दुओं तथा कश्मीरी पंडितों की मदद कर उनके धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण गंवाए थे। उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपनी कुर्बानी दी, इसीलिए उन्हें 'हिन्द की चादर' कहा जाता है। क्रूर मुगल शासक औरंगजेब ने गुरू तेग बहादुर को हिन्दुओं की मदद करने और इस्लाम नहीं अपनाने के कारण मौत की सजा सुनाई थी और उनका सिर कलम करा दिया था। उस आततायी और धर्मान्ध मुगल शासक की धर्म विरोधी तथा वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरूद्ध गुरू तेग बहादुर का बलिदान एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक घटना थी। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों में गुरू तेग बहादुर का स्थान अद्वितीय है और एक धर्म रक्षक के रूप में उनके महान् बलिदानों को समूचा विश्व कदापि नहीं भूल सकता। उस समय औरंगजेब ने आदेश पारित किया था कि राजकीय कार्यों में किसी भी उच्च पद पर किसी हिन्दू की नियुक्ति नहीं की जाए और हिन्दुओं पर 'जजिया' (कर) लगा दिया जाए। हिन्दुओं पर लगातार बढ़ते अत्याचारों और भारी-भरकम नए-नए कर लाद दिए जाने से भयभीत बहुत सारे हिन्दुओं ने उस दौर में धर्म परिवर्तन कराकर मजबूरन इस्लाम धर्म अपना लिया। औरंगजेब के अत्याचारों के उस दौर में कश्मीर के कुछ पंडित गुरू तेग बहादुर के पास पहुंचे और उन्हें अपने ऊपर हो रहे जुल्मों की दास्तान सुनाई। गुरू जी ने उनकी पीड़ा सुनने के बाद मुस्कराते हुए कहा कि तुम लोग बादशाह से जाकर कहो कि हमारा पीर तेग बहादुर है, अगर वह मुसलमान हो जाए तो हम सभी इस्लाम स्वीकार कर लेंगे। कश्मीरी पंडितों ने कश्मीर के सूबेदार शेर अफगन के मार्फत यह संदेश औरंगजेब तक पहुंचाया तो औरंगजेब बिफर उठा। उसने गुरू तेग बहादुर को दिल्ली बुलाकर उनके परम प्रिय शिष्यों मतिदास, दयालदास और सतीदास के साथ बंदी बना लिया और तीनों शिष्यों से कहा कि अगर तुम लोग इस्लाम धर्म कबूल नहीं करोगे तो कत्ल कर दिए जाओगे। भाई मतिदास ने जवाब दिया कि शरीर तो नश्वर है और आत्मा का कभी कत्ल नहीं हो सकता। यह सुनकर औरंगजेब ने मतिदास को जिंदा ही आरे से चीर देने का हुक्म दिया। औरंगजेब के फरमान पर जल्लादों ने भाई मतिदास को दो तख्तों के बीच एक शिकंजे में बांधकर उनके सिर पर आरा रखकर आरे से चीर दिया और उनकी बोटी-बोटी काट दी लेकिन जब भाई मतिदास को आरे से चीरा जाने लगा, तब भी वे भयभीत हुए बिना 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे। अगली बारी थी भाई दयालदास की लेकिन उन्होंने भी जब दो टूक लहजे में इस्लाम धर्म कबूल करने से इन्कार कर दिया तो औरंगजेब ने उन्हें गर्म तेल के कड़ाह में डालकर उबालने का हुक्म दिया। सैनिकों ने उसके हुक्म पर उनके हाथ-पैर बांधकर उबलते हुए तेल के कड़ाह में डालकर उन्हें बड़ी दर्दनाक मौत दी लेकिन भाई दयालदास भी अपने अंतिम श्वांस तक 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे। अगली बारी थी भाई सतीदास की लेकिन उन्होंने भी दृढ़ता से औरंगजेब का इस्लाम धर्म अपनाने का फरमान ठुकरा दिया तो उस आततायी क्रूर मुगल शासक ने दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए उन्हें कपास से लपेटकर जिंदा जला देने का हुक्म दिया। भाई सतीदास का शरीर धू-धूकर जलने लगा लेकिन वे भी निरंतर 'श्री जपुजी साहिब' का पाठ करते रहे। 22 नवम्बर 1675 के दिन औरंगजेब के आदेश पर काजी ने गुरू तेग बहादुर से कहा कि तुम्हारे सामने तीन ही रास्ते हैं, पहला, इस्लाम कबूल कर लो, दूसरा, करामात दिखाओ और तीसरा, मरने के लिए तैयार हो जाओ। इन तीनों में से तुम्हें कोई एक रास्ता चुनना है। अन्याय और अत्याचार के समक्ष झुके बिना धर्म और आदर्शों की रक्षा करते हुए गुरू तेग बहादुर ने तीसरे रास्ते का चयन किया। जालिम औरंगजेब को यह सब भला कहां बर्दाश्त होने वाला था। उसने गुरू तेग बहादुर का सिर कलम करने का हुक्म सुना दिया। अंततः काजी के इशारे पर जल्लाद ने गुरू तेग बहादुर का सिर धड़ से अलग कर दिया गया, जिसके बाद चारों ओर कोहराम मच गया। इस प्रकार अपने धर्म में अडिग रहने और दूसरों को धर्मान्तरण से बचाने के लिए गुरू तेग बहादुर और उनके तीनों परम प्रिय शिष्यों ने हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहूति दे दी। धन्य हैं भारत की पावन भूमि पर जन्म लेने वाले और दूसरों की सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले उदार चित्त, बहादुर व निर्भीक ऐसे महापुरूष। हिन्दुस्तान तथा हिन्दू धर्म की रक्षा करते हुए शहीद हुए गुरू तेग बहादुर को उसके बाद से ही 'हिन्द की चादर गुरू तेग बहादुर' के नाम से जाना जाता है।

सू-दोकू नवताल -2097

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

सू-दोकू -2096 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2097

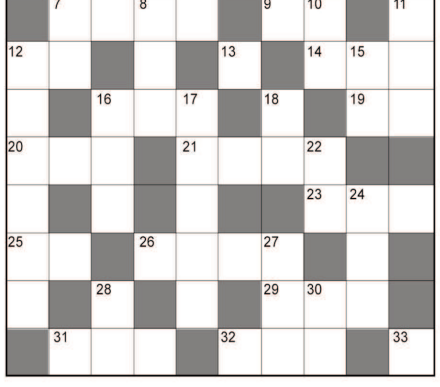

बायें से दायें:-

1. रनबीर व सोनम कपूर की फिल्म-4
3. 'ये इश्क हाये बैठे बिठाए' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-2,1,2
7. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-4
9. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
12. 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
13. गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की फिल्म-1
14. नाना पाटेकर, की 'सनम तुम हम पे मरते हो' गीत वाली फिल्म-3
16. राजेन्द्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
19. विनोद खन्ना, अमोल म्हात्रे, डिम्पल कपाड़िया की 'चम्पई धूप के साये' गीत वाली फिल्म-2
20. 'ये मौसम भी गया' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. राजकपूर, जेमिनी गणेशन, वैजयंतीमाला की फिल्म-4
23. 'इन बहारों में अकेले ना फिरो' गीत वाली धर्मेन्द की फिल्म-3
25. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
26. 'ये पहली मुलाकात है' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पूनम ढिल्लो की फिल्म-4
29. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
31. 'के तेरे बिन जीना नहीं' गीत वाली तुषार कपूर, श्रेयांस तलपदे, उदिता गोस्वामी, नीहोद, की फिल्म-3
32. अमिताभ बच्चन, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
33. 'खुद को मार डाला रे' गीत वाली रणदीप हूडा, सुशांत सिंह, यशपाल शर्मा, रुखसार, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. 'हुई आंख नम और साथी कोई भूला' गीत वाली आदित्य पंचोली, मोहसिन खान, वर्षा उसगांवकर की फिल्म-2
2. 'पंछी नदिया पवन के झोंके' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'पहचान' में मनोज कुमार की नायिका-3
5. आमिर, फैजल खान, ट्विंकल खन्ना की 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
6. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-2
7. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
8. 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली की फिल्म-3
10. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ओ एक दो तीन चार, राजू दादा के चेले होशियार' गीत वाली शत्रुघ्न सिन्हा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-3
12. अमिताभ, धर्मेन्द्र, रेखा की 'यार की खबर मिल गई' गीत वाली फिल्म-2,4
15. 'सपनों में जो आने लगा' गीत वाली प्रियांशु चटर्जी, नेहा धूपिया की फिल्म-2
16. संजय दत्त, अरशद वारसी, जावेद जाफरी की 'चल नाचें शोर मचालें' गीत वाली फिल्म-3
17. 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गीत वाली देव आनंद, सिमी, नंदा, कल्पना की फिल्म-2,3
18. सुनील दत्त, आशा पारेख की 'आज नाचूं ऐसे' गीत वाली फिल्म-2
22. 'तू कल चला जाएगा' गीत वाली संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
24. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
27. बाल फिल्म 'मकड़ी' में चुड़ैल की भूमिका किस ने की थी-3
28. इरफान,आयलिन हेमन, हिमांशु मलिक की 'खूबसूरत है वो इतना' गीत वाली फिल्म-2
30. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2096

पि	ता			ह	म	सा	या			प्या	सा
या	र	ना			ज	या			गै		ग
का		खु	श	बू			आ	र	पा		र
घ	रौं	दा			र	त	न			पी	
र			कुं			बू			मे		यु
		दो	ब	द	न			कि	ला		वा
ह	स्ती			न	ज	र	ना			र	
थ		अं			र			र	म	जा	ने
क	न्या	दा		न		डों			वा		पा
ड़ी		ज			म	न	च	ली			ल

प्रकृति की गोद में बसा है चांगलांग

अरुणाचल प्रदेश का चांगलांग प्राकृतिक सौंदर्य, विविधतापूर्ण संस्कृति, अनूठी परंपराओं और सुरम्य पहाड़ियों के लिए जाना जाता है। सुंदर घाटियों के बीच और ऊंचे पहाड़ों से घिरे चांगलांग की ऊंचाई 200 मीटर से 4500 मीटर है। चांगलांग मानव जाति के लिए प्रकृति के किसी उपहार से कम नहीं है। चांगलांग की लंबी पर्वत श्रृंखलाओं की गोद में पर्यटक ताजगी और सुकून महसूस करते हैं।

चांगलांग आने का सही समय

चांगलांग में पूरे साल सुखद जलवायु रहती है। हालांकि, नवंबर से फरवरी के सर्दियों के महीने में यहां का 12 डिग्री सेल्सियस से 28 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

चांगलांग के दर्शनीय स्थल

द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र

प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य और जीवंत संस्कृति से समृद्ध चंगलांग ऐतिहासिक युद्धों का गवाह रह चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए सैनिकों के लिए यहां कब्रिस्तान बना है, जिसे जयरामपुर कब्रिस्तान के रूप में भी जाना जाता है। निराशाजनक यादों और भयावहता का एक रूप चांगलांग के मैदान में दफन है जहां द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कब्र हैं। यहां दफन शहीद भारत, चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे कई देशों के हैं। यह स्थान न केवल अतीत में लिए गए मानव के गलत एवं घातक निर्णयों का साक्षी है, बल्कि आपको उस समय असहायता और नुकसान का भी सामना करवाता है।

नामदफा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व

इसे वर्ष 1983 में सरकार द्वारा एक प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। भारत के चांगलांग में स्थित नामदफा नेशनल पार्क एक आश्चर्यजनक पार्क है, जो बड़े पैमाने पर 1985.25 वर्ग किलोमीटर भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पराक्रमी हिमालयी पर्वतमाला के करीब स्थित यह पार्क 200 मीटर से 4500 मीटर के बीच विभिन्न ऊंचाइयों पर फैला हुआ है। वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अद्भुत आकर्षण के साथ इस पार्क में बाघ, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, हाथी और हिमालयी काले भालू जैसे वन्यजीवों के कुछ बेहतरीन किस्में मौजूद हैं। पर्यटकों को इस पार्क में रहने वाले जानवर बहुत आकर्षित करते हैं।

मियाओ

नोआ-देहिंग नदी के तट पर एक छोटा सा कस्बा है मियाओ। यह चांगलांग की सबसे सुरम्य बस्तियों में से एक है। यह स्थान कुछ तिब्बती शरणार्थियों का भी घर है, जो आश्चर्यजनक डिजाइन और बेहतरीन ऊनी कालीनों का उत्पादन करते हैं। चांगलांग में स्थित मियाओ आपको अपने मंत्रमुग्ध करने वाले नजारों से विस्मित कर देगा है।

लेक ऑफ नो रिटर्न

लेक ऑफ नो रिटर्न का न केवल नाम अनूठा है, बल्कि इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी भी है। इतिहास के अनुसार झील द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दुश्मनों द्वारा मारे गए हवाई जहाजों की आसान लैंडिंग में सहायता करती थी। इसी काम के लिए झील का उपयोग करने के दौरान कई एयरक्राफ्ट लैंडिंग करते समय इसी जगह पर मारे गए और इसलिए इस झील का ये नाम पड़ा।

चांगलांग कैसे पहुंचें?

हवाई मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम हवाई अड्डा असम के डिब्रूगढ़ में स्थित मोहनबाड़ी है, जो शहर से लगभग 182 किमी की दूरी पर है। हवाई अड्डे से चांगलांग के लिए नियमित कैब सेवाएं उपलब्ध हैं।

रेल मार्ग द्वारा: चांगलांग का निकटतम रेलवे स्टेशन असम के तिनसुकिया में स्थित है, जो शहर से लगभग 141 किमी की दूरी पर स्थित है और देश के अन्य हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग द्वारा: चांगलांग बस स्टेशन देश के सभी प्रमुख हिस्सों से रोडवेज के माध्यम से जुड़ा हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन और दर्शनीय स्थल

अगर आप अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो आप निम्न पर्यटन स्थलों को अपनी यात्रा की सूची में शामिल कर सकते हैं।

प्रमुख के पर्यटन स्थल तवांग

तवांग अरुणाचल प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी खूबसूरती से पर्यटकों को बेहद आकर्षित करता है। लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग एक ऐसी जगह है, जो आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपको रोमांचित करेगी। सुंदर आर्किड अभयारण्य और टिपी ऑर्किड अभयारण्य तवांग में घूमने की अच्छी जगहों में शामिल हैं। यात्रा के दौरान इस क्षेत्र के अनूठे व्यंजनों का लुत्फ उठाना न भूलें।

प्रमुख दर्शनीय स्थल ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर एक प्राकृतिक स्वर्ग है, जो हिमालय के पर उतरी छोर पर स्थित है। हाल ही में ईटानगर को सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए खोला गया है। शहर की विरासत और आदिवासी संस्कृति, जो दशकों और सदियों पुरानी है वो आज भी यहां बरकरार है। 15 वीं शताब्दी का इटा-किला, पौराणिक गंगा झील, जिसे ग्यार सिनि और बुद्ध विहार के नाम से जाना जाता है, दलाई लामा द्वारा संरक्षित यह महत्वपूर्ण आकर्षण हैं। यहां का मौसम पर्यटकों को आकर्षित करता है। यूपिया शहर राज्य का प्रमुख आकर्षण है। आप दोनों शहरों को एक साथ कवर कर सकते हैं। आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा करने जा रहे हैं तो आपको इटानगर को यात्रा सूची में जरूर शामिल करना चहिए।

घूमने लायक जगह जीरो

जीरो अरुणाचल प्रदेश में एक विचित्र पुराना शहर है, जो अपातानी जनजाति का घर है और अपनी देवदार की पहाड़ियों और चावल के खेतों के लिए प्रसिद्ध है। जीरो में जलवायु हल्की होती है, जिससे पूरे वर्ष यात्रा करना आरामदायक होता है।

देखने लायक जगह बोमडिला

बोमडिला अरुणाचल प्रदेश का एक सुंदर शहर है। बोमडिला कई स्थानों जैसे मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों से भरपूर है। यहां पर बौद्ध और हिंदू दोनों मंदिर यहां पाए जाते है। इसके अलावा यहां पर्यटक सेब के बगीचे और ईगल नेस्ट वाइल्डलाइफ अभयारण्य की सैर भी कर सकते हैं।

आकर्षण स्थल भालुकपोंग

भालुकपोंग अरुणाचल प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो प्रकृति प्रेमी का स्वर्ग होने के अलावा कई वन्यजीवों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। भालुकपोंग वातावरण से कई गतिविधियों की मेजबानी करता है। यहां जंगल में बहने वाली कामेंग नदी शहर को और आकर्षक बनाती है। भालुकपोंग में आप पैदल यात्रा, ट्रेकिंग, कैपिंग और फिशिंग का मजा ले सकते हैं। पखुई खेल अभयारण्य में बाघों, हाथी। बार्किंग डियर के साथ पक्षियों को देख सकते हैं।

दर्शनीय स्थल रोइंग

रोइंग यहां का प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो बर्फ से ढकीं पहाड़ियों, गहरी घाटियों, अशांत नदियों, झरने, शांत झीलों, पुरातात्विक स्थल, शांति स्थलों से भरा है। जो भी पर्यटक यहां आता है, वो कभी निराश होकर नहीं जाता। रोइंग में प्रकृति प्रेमियों के लिए कई झीलें और घाटियां हैं, जो इसे स्वर्ग बनाती हैं। भीष्मनगर किला और नेहरू उद्योग इसके ऐतिहासिक महत्व को बताते हैं।

पर्यटन स्थल खोंसा

समुद्र तल से 1,215 मीटर औसत ऊंचाई पर, खोंसा एक सुंदर सा हिल स्टेशन है, जो प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। खोंसा अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले का मुख्यालय है और यह हिमालय पर्वतमाला से घिरे तिरप घाटी में स्थित है। खोंसा के मुख्य आकर्षण धाराएं, गहरी घाटियां, घने जंगल और बर्फ से ढकी पहाड़ियां हैं, जो पर्यटकों को यहां आने के लिए मजबूर करती हैं। पूर्व में म्यांमार की सीमा के साथ खोंसा एक सैन्य क्षेत्र है।

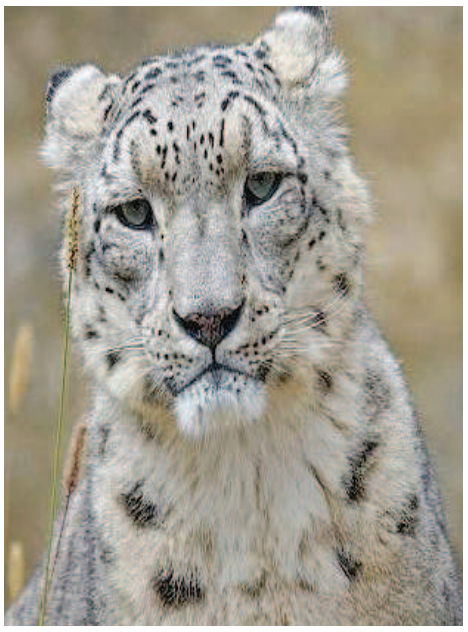

अरुणाचल प्रदेश का खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

अगर आप प्रकृति के करीब जाकर कुछ अलग अनुभव करना चाहते हैं, तो आप अरुणाचल प्रदेश की यात्रा का प्लान बना सकते हैं। अरुणाचल प्रदेश, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में से एक है, जो पूर्व में भूटान, उत्तर और पूर्वोत्तर में चीन, दक्षिणपूर्व में म्यांमार और दक्षिण में असम और नागालैंड राज्यों से घिरा हुआ है। पर्यटन के लिहाज से यह राज्य काफी खास माना जाता है, जहां दूर-दूर से सैलानी अपने मनोरंजन और रोमांच को दोगना करने के लिए आते हैं। एक शानदार अवकाश के लिए आप यहां का प्लान अपने परिवार या दोस्तों के साथ बना सकते हैं। इस राज्य का इतिहास कई हजार साल पुराना है, जिसका उल्लेख हिंदू धर्म के महाकाव्यों में भी मिलता है। यहां चारों तरफ फैले पहाड़ और हरियाली को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हो उठते हैं। यहां स्थित बौद्ध मठ विश्व भर में प्रसिद्ध हैं, आत्मिक और मानसिक शांति के लिए यहां दुनिया भर से नामचीन लोगों का भी आगमन होता है। अरुणाचल प्रदेश में पक्षियों की 500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से कई अत्यधिक लुप्तप्राय हैं। अरुणाचल प्रदेश निर्मल पहाड़ों से भरा हुआ है जो सर्दियों के दौरान पर्यटकों की यात्रा को यादगार बनाते हैं और लुहावने दृश्य प्रस्तुत करते हैं। पहाड़ी आकर्षण से अलग यहां के वन्यजीव अभयारण्य सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते हैं। इस आलेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत कमलंग वन्यजीव अभयारण्य के बारे में, यह अभयारण्य आपको किस प्रकार आनंदित कर सकता है।

कमलंग वन्यजीव अभयारण्य

कमलंग वाइल्ड लाइफसेंचुरी, अरुणाचल प्रदेश का एक खूबसूरत वन्यजीव अभयारण्य है, जो राज्य के लोहित जिले में स्थित है। इस अभयारण्य को 1989 में स्थापित किया गया था। चूंकि यह आरक्षित वन क्षेत्र यहां की कमलंग नदी के आसपास विकसित है, इसलिए इसका नाम नदी के नाम पर रखा गया था। यह सेंचुरी न सिर्फ वनस्पति और जंगली जीवों को सुरक्षित आश्रय प्रदान करती है, बल्कि मिसमी, दिगारु, मिजो जैसी कई जनजातियां भी इसी अभयारण्य के आसपास रहती हैं।

इन जनजातियों को मानना है कि ये महाभारत के रुकमो नामक राजा के वंशज हैं। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है, इस बात का कोई सटीक प्रमाण नहीं मिलता। उष्णकटिबंधीय और उप उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित यह अभयारण्य भारत की चार बड़ी बिल्ली प्रजातियों (बाघ, तेंदुआ, स्नो लेपर्ड और क्लाउडेड लेपर्ड) का निवास स्थान भी है। कमलंग वन्यजीव अभयारण्य लोहित जिले के दक्षिण-पूर्व भाग में स्थित है और 783 वर्ग किमी के क्षेत्र में फैला है। यहां कई खूबसूरत जलाशय भी मौजूद हैं, जिनमें ग्लो झील और परशुराम कुंड काफी लोकप्रिय हैं। ये जलाशय काफी ऊंचाई पर स्थित है, जहां पहुंचने के लिए आपको ट्रेकिंग का सहारा लेना होगा। परशुराम कुंड के दर्शन करने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं का भी आगमन होता है। आगे जानिए इस अभयारण्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां।

आने का सही समय

कमलंग वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का भ्रमण आप किसी भी समय कर सकते हैं, यहां का मौसम सालभर शानदार बना रहता है, लेकिन यहां आने का आदर्श समय अक्टूबर से लेकर अप्रैल के मध्य का बताया जाता है, क्योंकि इस दौरान यह अभयारण्य हरियाली से भरा रहता है। इस दौरान आप यहां अपने आनंद को दोगना कर सकते हैं।

पूर्वोत्तर भारत का अरुणाचल प्रदेश हमेशा से ही देश के अनन्वेषित (अनिक्स्प्लॉर्ड) स्थलों में रहा है। इसके पीछे का कारण यातायात और कनेक्टिविटी की कमी है, लेकिन इसके बावजूद इस पर्वतीय राज्य की प्राकृतिक खूबसूरती को नकारा नहीं जा सकता है। अरुणाचल प्रदेश पर्यटन के लिहाज से एक समृद्ध भूखंड है, यहां घूमने-फिरने और देखने के लिए कई शानदार स्थल मौजूद है। जायकेदार व्यंजनों से लेकर आप यहां शानदार बायोडायवर्सिटी स्पॉर्ट्स का भी आनंद उठा सकते हैं।

एक ट्रैवलर की यात्रा को यादगार बनाने के लिए यहां बहुत कुछ उपलब्ध है। यहां के जलप्रपात भी सैलानियों को काफी ज्यादा प्रभावित करते है। इस लेख में जानिए अरुणाचल प्रदेश के चुनिंदा सबसे खास जलप्रपातों के बारे में, जिन्हें आप अपनी पूर्वोत्तर की यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

नूरानंग जलप्रपात

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपातों की सैर आप यहां से सबसे प्रसिद्ध नूरानंग फॉल से कर सकते है। यह झरना राज्य का लोकप्रिय पर्यटन स्थल गिना जाता है। 100 मीटर की अपनी ऊंचाई के साथ यह निस्संदेह पूर्वोत्तर भारत में सबसे खूबसूरत झरनों में से एक है। इस जलप्रपात को बोंग-बोंग फॉल्स के नाम से भी जाना जाता है। नूरानंग जलप्रपात बोमडिला और तवांग को जोड़ने वाली सड़क के पास जंग से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। जलप्रपात के आधार पर एक छोटा विद्युत संयंत्र भी लगाया गया है। तवांग नदी से जुड़ा यह जलप्रपात चट्टानी पहाड़ियों की ढलान से नीचे गिरता है। जिसकी आवाज बहुत दूर से भी सुनी जा सकती है। इस झरने का नाम एक नूरा नाम की एक मोन्पा लड़की पर पड़ा है, जिसने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान एक भारतीय सैनिक की मदद की थी। इसके अलावा इसके दृश्यों को बॉलीवुड की फिल्मों में भी दर्शाया गया है, अगर आपको फिल्म कोयला याद है, तो उसमें एक गीत की पृष्ठभूमि के लिए इस जलप्रपात का चयन किया गया था। यह एक खास झरना है, आपको यहां जरूर आना चाहिए।

बिरसा मुंडा झरना

नूरानंग जलप्रपात के अलावा भी आप अरुणाचल प्रदेश के अन्य जलप्रपातों की सैर का प्लान बना सकते हैं। आप यहां के बिरसा मुंडा झरने की सैर कर सकते हैं। यह जलप्रपात राज्य के मेचुका जाने वाले रास्ते के दौरान पड़ता है। हालांकि यह एक अज्ञात झरना, जिसके विषय में अधिकांश ट्रैवलर नहीं जानते हैं। यहां तक आप स्थानीय निवासियों की मदद से पहुंच सकते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती के मध्य बसा यह झरना आत्मिक और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। खासकर प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। अगर आप अज्ञात स्थलों की सैर के साथ रोमांच का शौक रखते हैं, तो यहां जरूर आएं। बिरसा मंडा जलप्रपात की खूबसूरत आपको सच में वशीभूत कर लेगी।

बाप तेंग कांग

अगर आप अपने पर्यटन क्षेत्र का विस्तार करना चाहते हैं तो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से 82 किमी दूर स्थित बाप तेंग कांग जलप्रपात की सैर कर सकते हैं। 100 फीट की ऊंचाई वाला यह झरना यहां के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां सैलानी जाना पसंद करते हैं। यह झरना प्रकृति प्रेमियों को अपने अद्भुत दृश्यों के साथ आकर्षित करता है। यह जलप्रपात बीटीके वॉटरफॉल के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां साफ पानी आपको नहाने के लिए जरूर मजबूर करेगा। एक शानदार अनुभव के लिए आप इस स्थल को अपनी यात्रा डायरी का हिस्सा बना सकते हैं।

सिर्की जलप्रपात

बिरसा मुंडा जलप्रपात की तरह है, सिर्की जलप्रपात एक अज्ञात झरना है, जहां ज्यादातर ट्रैवलर पहुंच ही नहीं पाते। यह जलप्रपात राज्य के पासीघाट में स्थित है। यह एक खास स्थल है, जहां आप प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ ट्रेकिंग, हाइकिंग, पिकनिक जैसी रोमांचक गतिविधियों का भी आनंद उठा सकते हैं। इसके अलावा एडवेंचर के शौकीन यमबंग और सिर्की से पासीघाट तक राफ्टिंग का रोमांचक अनुभव भी ले सकते हैं। अपनी अरुणाचल प्रदेश की यात्रा को यादगार बनाने के लिए आप यहां जरूर आएं।

जलप्रपातों की अलावा: गंगा झील

जलप्रपातों के अलावा आप यहां जलीय आकर्षणों में राज्य की गंगा झील की सैर का प्लान भी बना सकते हैं। यह एक प्रसिद्ध झील है, जो राजधानी इटानगर से कुछ किमी दूर स्थित है। इस झील को इसके आसपास का प्राकृतिक माहौल खास बनाने का काम करता है। यहां की पहाड़ियां इस झील को जीवंत रूप प्रदान करती है। पर्यटन को ध्यान में रखते हुए यहां बोटिंग सुविधा उपलब्ध है। एक शानदार अनुभव के लिए आप यहां जा सकते हैं।

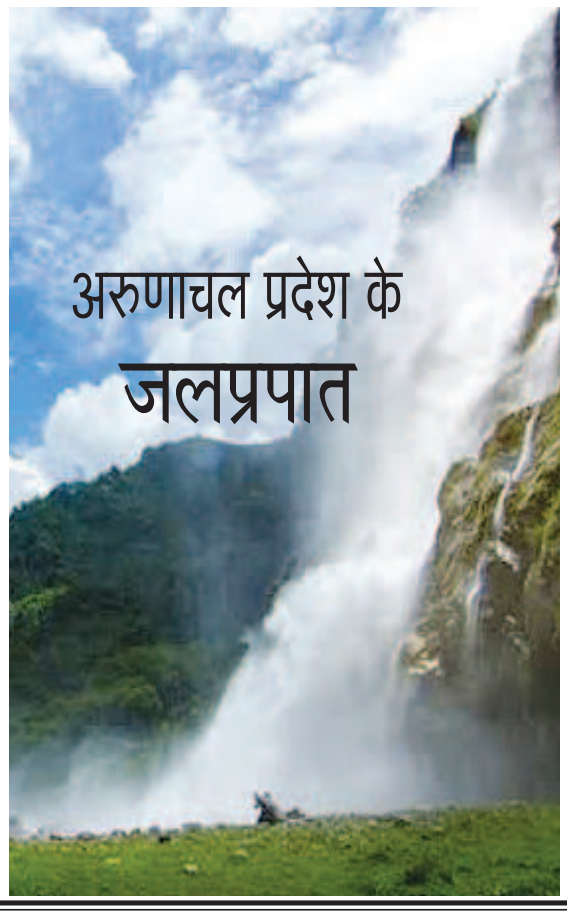

अरुणाचल प्रदेश के जलप्रपात

एलएंडटी इन्फोटेक को 637 करोड़ का मुनाफा

मुंबई । वित्त वर्ष 22 की चौथी तिमाही में लार्सन एंड टुब्रो इन्फोटेक ने 637.5 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है जो सालाना आधार पर 16.8 फीसदी ज्यादा और क्रमिक आधार पर 4.1 फीसदी अधिक है। विभिन्न कारोबारी वर्टिकल और इलाकों में व्यापक बढ़त के कारण राजस्व बेहतर रहा। वित्त वर्ष 22 की चौथी तिमाही में राजस्व 31.6 फीसदी बढ़कर 4,301.6 करोड़ रुपए पहुंच गया और यह क्रमिक आधार पर 4 फीसदी ज्यादा रहा। अमेरिकी डॉलर के लिहाज से कंपनी का राजस्व 3.1 फीसदी ज्यादा रहा। कंपनी का एबिटा मार्जिन 19.7 फीसदी रहा, जो एक तिमाही पहले के 20.1 फीसदी के मुकाबले कम है। कंपनी में नौकरी छोडऩे की दर 24 फीसदी रही, जो तीसरी तिमाही में 22.5 फीसदी रही थी।

डाबर अपने बेड़े में 100 इलेक्ट्रिक वाहन शामिल करेगी

नई दिल्ली । डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा कि वह अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए अगले एक साल में 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बेड़े में शामिल करेगी। कंपनी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों को पहले उत्तर भारत में उसके बेड़े में शामिल किया गया है और हरियाणा के सोनीपत क्षेत्र में इन वाहनों की आपूर्ति शुरू हो गई है। डाबर इंडिया लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अगले 12 महीनों में पूरे देश में सभी 100 इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल कर लिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि उसके इस फैसले से उसके सालाना कार्बन उत्सर्जन में काफी कमी आएगी।

चीनी निर्यात रिकॉर्ड 95 लाख टन रहने की उम्मीद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार का कहना है कि अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सीजन में भारत से चीनी का निर्यात रिकॉर्ड 95 लाख टन रहने की उम्मीद है, लेकिन इससे शायद घरेलू कीमतों में तेज इजाफा न हो, क्योंकि उत्पादन उम्मीद से बेहतर होने के आसार हैं। सरकार ने कहा है कि वर्ष 2021-22 में चीनी उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक 3.5 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जबकि वर्ष की शुरुआत में स्टॉक तकरीब 85 लाख टन रहने का अनुमान है। इसका मतलब यह है कि वर्ष 2021-22 में चीनी की कुल उपलब्धता 4.35 लाख टन रहेगी। वर्ष के दौरान इसमें से करीब 2.78 करोड़ टन की घरेलू खपत होगी, जबकि 95 लाख टन चीनी का निर्यात किया जाएगा। सरकार ने कहा है कि इस तरह चीनी की आसान उपलब्धता होगी और घरेलू बाजार में चीनी के दाम उचित स्तर पर स्थिर रहने की उम्मीद है।

एचडीएफसी एडीआईए को एचडीएफसी कैपिटल की 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगा

नई दिल्ली । एच डी एफ सी लिमिटेड अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (एडीआईए) की सहायक कंपनी को एच डी एफ सी कैपिटल एडवाइजर्स की 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा। एचडीएफसी ने बुधवार को बताया कि यह सौदा 184 करोड़ रुपए में हुआ। एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स की स्थापना 2016 में हुई थी और यह एचडीएफसी कैपिटल अफोर्डेबल रियल एस्टेट फंड 1, 2 और 3 की निवेश प्रबंधक है। एचडीएफसी कैपिटल द्वारा प्रबंधित फंड के जरिए किफायती और मध्यम आय वाली आवास परियोजनाओं को वित्त दिया जाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, टीसीएस, एचडीएफसी लिमिटेड तथा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भारी खरीददारी से आई है। इसके साथ ही पिछले पांच कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर रोक लगी है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 574.35 अंक करीब 1.02 फीसदी की बढ़त के साथ ही 57,037.50 अंक पर बंद हुआ। एक समय यह 753.36 अंक तकरीबन 1.33 फीसदी बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 177.90 अंक तकरीबन 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ ही 17,136.55 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार निचले स्तर पर हुई खरीदारी से बाजार को बल मिला है, उसी कारण वह ऊपर आया है। एक ओर जहां विदेशी निवेशक बाजार से पैसा निकाल रहे थे , वहीं बाजार को घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) से बल मिला है। सेंसेक्स के शेयरों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि., भारती एयरटेल, एचडीएफसी और डॉ. रेड्डीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। वहीं बजाज फाइनेंस , आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील और आईटीसी नीचे आये हैं।

भारतपे ने स्मृति हांडा को एचआर प्रमुख नियुक्त किया

बेंगलूरु । फिनटेक यूनिकॉर्न भारतपे ने रेकिट की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी स्मृति हांडा को नया मुख्य मानव संसाधन अधिकारी नियुक्त किया है। भारतपे ने कहा कि स्मृति कंपनी के संगठनात्मक संस्कृति एवं एचआर प्रथाओं को मजबूती देने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स और एमडीआई गुडग़ांव की पूर्व छात्र हांडा को रेकिट, फिलिप्स और एयरटेल जैसी प्रमुख कंपनियों में वैश्विक एवं स्थानीय भूमिकाओं में काम करने का अनुभव प्राप्त है। भारतपे ने कहा` कि हमारी टीम में स्मृति के शामिल होने के साथ ही हम इस ब्रांड की वृद्धि को अगले स्तर तक ले जाने के लिए खुद को तैयार करेंगे। इस साल के आरंभ में सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर के नेतृत्व में भारतपे की खराब कार्य संस्कृति को लेकर खबरें आई थीं। उसके बाद ग्रोवर को कंपनी के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा देना पड़ा था। एक ऑडिट रिपोर्ट में कथित तौर पर ग्रोवर परिवार द्वारा वित्तीय हेराफेरी करने का भी मामला सामने आया था जो कंपनी की नियुक्तियों से संबंधित तीसरे पक्ष के लेनदेन से जुड़ा मामला था। फिनटेक यूनिकॉर्न भारतपे के पास 40 करोड़ डॉलर का बैंक बैलेंस है और उसका मासिक खर्च करीब 50 लाख डॉलर है। कंपनी ने हाल में कहा था कि फिलहाल रकम जुटाने की कोई योजना नहीं है।

सेबी ने सिंह बंधुओं एवं अन्य पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने फोर्टिस हेल्थकेयर मामले में उद्यमी मालविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह समेत नौ लोगों पर कुल 24 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी ने दोनों सिंह बंधुओ पर पांच-पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया और आरएचसी होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड पर 2.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया। आदेश के अनुसार फोर्टिस हेल्थकेयर पर एक करोड़ रुपए और फोर्टिस हॉस्पिटल्स पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा मालव होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड पर 2.5 करोड़ रुपए, शिवी होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड पर 2.5 करोड़ रुपए, गगनदीप सिंह बेदी पर 2.5 करोड़ रुपए और भवदीप सिंह पर 2.5 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। गौरतलब है कि अक्टूबर 2018 में सेबी ने फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड को सिंह बंधुओं और विभिन्न अन्य संस्थाओं से ब्याज सहित 403 करोड़ रुपए की वसूली के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया था। सेबी ने साथ ही सिंह बंधुओं को प्रतिभूति बाजार से तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। उन्हें किसी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक के रूप में या किसी मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थान के सेबी के साथ पंजीकृत मध्यस्थ के रूप में संबद्ध होने से भी रोक दिया गया है।

आईएमएफ ने भारत की ग्रोथ रेट और वैश्विक ग्रोथ रेट का अनुमान घटाया

नई दिल्ली ।

विश्व बैंक के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वर्ष 2022 के लिए भारत के विकास दर अनुमान को घटा दिया है। आइएमएफ की तरफ से हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट में इस वर्ष के लिए भारत की इकोनोमी में 8.2 फीसद की वृद्धि दर होने का अनुमान लगाया है। पहले 9 फीसद वृद्धि दर का अनुमान था। हालांकि नए आकलन में वृद्धि दर की रफ्तार घटने के बावजूद भारतीय इकोनोमी चीन के मुकाबले तकरीबन दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ेगी। आइएमएफ ने इस वर्ष चीन की इकोनोमी की वृद्धि दर 4.4 फीसद रहने की बात कही है। वैश्विक इकोनोमी की वृद्धि दर अनुमान को भी आइएमएफ ने 6.1 फीसद से घटा कर 3.6 फीसदी कर दिया है। विश्व बैंक ने भी पिछले हफ्ते भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपने अनुमानों को घटा दिया था। आइएमएफ की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2023 में भारत की विकास दर घट कर 6.9 फीसद पर आ जाएगी। जबकि वर्ष 2021 में देश की विकास दर 8.9 फीसद रही थी। आइएमएफ ने यूक्रेन-रूस के अलावा खाद्य उत्पादों की कीमतों में भारी वृद्धि को भी एक बड़ी वजह बताया है। अब जबकि क्रूड की कीमतें काफी बढ़ गई हैं तो इनकी विकास दर प्रभावित होने की संभावना बन गई है। कई घरेलू एजेंसियों ने भी भारत की विकास दर के अनुमान को कम किया है। अगर चीन से तुलना करें तो आइएमएफ के अनुमान के सही रहने की स्थिति में भारत आर्थिक मोर्चे पर चीन के मुकाबले इतनी तेजी से कभी आगे नहीं बढ़ा है। आइएमएफ का मानना है कि वर्ष 2021 में 8.1 फीसद की विकास दर हासिल करने वाला चीन वर्ष 2022 में सिर्फ 4.4 फीसद की वृद्धि दर ही हासिल कर सकेगा। वर्ष 2023 में यह घट कर 5.1 फीसद रह जाएगा।

फरवरी में दूरसंचार ग्राहक घटकर 116.6 करोड़ रह गए

- भारती एयरटेल ही एकमात्र कंपनी रही जिसकी ग्राहक संख्या बढ़ी

नई दिल्ली ।

देश में दूरसंचा उपभोक्ता इस साल फरवरी में घटकर 116.60 करोड़ रह गए। इस दौरान रिलायंस जियो और वोडाफोन आइडिया जैसी कंपनियों के मोबाइल ग्राहक कम हुए। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के जारी किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के मुताबिक मोबाइल खंड में भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही जिसके कनेक्शनों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। वहीं फिक्स्ड लाइन ग्राहक आधार में वृद्धि जारी रही। निजी दूरसंचार ऑपरेटरों की बाजार हिस्सेदारी इस खंड में बढ़ी है जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल ने अपने ग्राहक गंवाए हैं। ट्राई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में टेलीफोन ग्राहकों की संख्या जनवरी, 2022 के अंत के 116.94 करोड़ से घटकर फरवरी, 2022 के ओ खिर में 116.60 करोड़ रह गई। यह 0.29 प्रतिशत की गिरावट है। उत्तर प्रदेश पूर्व, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को छोड़कर पूरे देश में दूरसंचार सर्किलों में मोबाइल ग्राहकों की संख्या में गिरावट आई। फरवरी लगातार तीसरा महीना था जब रिलायंस जियो ने अपने मोबाइल ग्राहक गंवाए हैं। कंपनी के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 36.6 लाख घटकर 40.27 करोड़ रह गई। वोडाफोन आइडिया (वीआई) के मोबाइल ग्राहकों की संख्या में भी गिरावट आई। इसने 15.32 लाख मोबाइल ग्राहकों को खो दिया, जबकि बीएसएनएल और एमटीएनएल के क्रमशः 1.11 लाख और 5,097 कनेक्शन कम हुए। भारती एयरटेल ने फरवरी में 15.91 लाख नए ग्राहक जोड़े। ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार वायरलाइन ग्राहकों की संख्या जनवरी, 2022 के ओ खिर के 2.42 करोड़ से बढ़कर फरवरी, 2022 के आखिर में 2.45 करोड़ हो गई। 1.27 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन ग्राहक आधार में शुद्ध रूप से 3.1 लाख की वृद्धि हुई।रिलायंस जियो ने वायरलाइन खंड में सबसे अधिक 2.44 लाख नए ग्राहकों को जोड़ा। इसके बाद भारती एयरटेल ने 91,243 ग्राहक जोड़े, फिर वोडाफोन आइडिया ने 24,948, क्राड्रेंट ने 18,622 और आखिरी में टाटा टेलीसर्विसेज ने 3,772 ग्राहक जोड़े। बीएसएनएल और एमटीएनएल की इस खंड में संयुक्त रूप से 49.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इन कंपनियों ने क्रमशः 49,074 और 21,900 फिक्स्ड लाइन ग्राहक गंवाए। देश में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या फरवरी में मामूली घटकर 78.33 करोड़ रह गई, जो जनवरी में 78.34 करोड़ थी।

वॉट्सऐप 'लास्ट सीन' को छुपाने का देगा ऑप्शन

-मौजूदा समय में, ऐप यूज़र्स को मिलते हैं तीन ऑप्शन

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप अपने यूज़र्स को विशिष्ट कॉन्टैक्ट से 'लास्ट सीन' को छुपाने का ऑप्शन देगा। मौजूदा समय में, ऐप यूज़र्स को तीन ऑप्शन मिलते हैं ,जिसमें वह सेलेक्ट कर सकते हैं कि उन्हें 'लास्ट सीन' को सबको दिखाना है, सिर्फ फोन कॉन्टैक्ट को दिखाना है या फिर सबसे छुपाना है। 'लास्ट सीन' आपको बताता है कि किसी यूज़र ने आखिरी बार अपना ऐप कब चेक किया था यानी कि वह कब ऑनलाइन आया। ये मैसेज सेंड करने वालों को ये अनुमान लगाने की अनुमति देता है कि क्या आपने कोई मैसेज देखा होगा, भले ही 'रीड रिसीप्ट' बंद हो। वाबेटा इंफो के अनुसार, एंड्रॉयड और आईओएस के लिए लेटेस्ट बीटा में, वॉट्सऐप अब आपको उन व्यक्तियों से'लास्ट सीन' छिपाने की अनुमति देगा, जिन्हें आप सिर्फ अपनी कॉन्टैक्ट लिस्ट से चुनते हैं। वाबेटाइंफो ने ट्वीट कर नए फीचर की जानकारी दी है।वाबेटाइंफो ने ट्वीट कर नए फीचर की जानकारी दी है। अगर आप सेटिंग्स में जाते हैं, तो अकाउंट पर टैप करें, और प्राइवेसी को सेलेक्ट करें, आपको'लास्ट सीन' के लिए एक ऑप्शन दिखने लगेगा, ऑप्शन को सेलेक्ट करें और 'माई कांटेक्टस एक्सेप्ट' पर टैप करें ताकि ये पता लगाया जा सके कि आपका स्टेटस कौन देख सकता है। ये मददगार है क्योंकि अब आपको अपनी ऑनलाइन स्थिति को सभी से छुपाने की जरूरत नहीं होगी, और आप कॉन्टैक्ट के बस कुछ ही लोगों से लास्ट सीन स्टेटस छुपा सकेंगे। इसके अलावा वॉट्सऐप जल्द यूज़र्स के लिए 5 नए फीचर्स लाने के लिए तैयार है, जिसमें सबसे अहम फीचर्स कम्युनिटीज है, जो लोगों को अब बड़े समुदाय के साथ जुड़ने की सुविधा देगा। इसके अलावा मेटा के स्वामित्व वाला ये मैसेजिंग ऐप 4 और फीचर लॉन्च करने वाला है। बता दें कि वॉट्सऐप यूज़र्स के लिए नए-नए फीचर पर काम करता रहता है, और अब मेटा-स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म बहुत काम के फीचर को लाने की तैयारी कर रहा है।

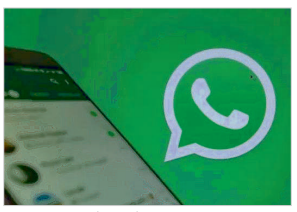

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

देश में तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को भी ईंधन की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं किया। इससे पिछले 14 दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मूल्य अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपए और डीजल की कीमत 100.94 रुपए पर बरकरार है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 रुपए प्रति लीटर और 99.83 रुपए प्रति लीटर है। यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 108.44 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.92 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 103.50 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद` पिछले 22 मार्च से बढऩी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 27 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपए प्रति लीटर की तेजी आयी है। उल्लेखनीय है कि बुधवार लगातार 14वां दिन है, जब कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

भारत की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन, डिजिटल मुद्रा शामिलः आईएमएफ

वाशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत के लिए मध्यावधि की प्राथमिकताओं में क्रिप्टो संपत्ति का विनियमन और डिजिटल मुद्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में शेष नियामक चिंताओं को दूर करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण जैसे संरचनात्मक मुद्दों पर भी भारत खास जोर दे रहा है। कुल मिलाकर आईएमएफ भारत को एक बेहद सकारात्मक तरीके से देख रहा है। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक वसंत बैठक के मौके पर कहा कि मुझे लगता है कि कई अवसर हैं। भारत में पुनरुद्धार हो रहा है। नए वृद्धि के अवसरों, नए विकास के बारे में बहुत उत्साह है। उन्होंने कहा कि हम हमेशा मानते हैं कि विकास समावेशी है, और सभी लोगों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन भारत को लेकर हमारा सामान्य नजरिया काफी सकारात्मक है।

भारत के एजेंडे में क्रिप्टो करेंसी परिसंपत्तियों को विनियमित करना काफी ऊपर है। देश को आने वाले वर्षों में इसका समाधान तलाशना होगा। भारत का केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्राओं पर विचार कर रहा है, जो वित्तीय समावेशन और वित्तीय विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत क्या कर रहा है, इस पर हमारी नजर है। हम इन नीतिगत घटनाक्रमों का स्वागत करते हैं।

विस्तारा से 2,499 रुपए में हवाई यात्रा का मौका!

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की विमानन कंपनी विस्तारा ने गर्मियों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए टिकट बुकिंग पर खास ऑफर शुरू किया है। कंपनी की समरटाइम सेल इकॉनमी, प्रीमियम इकॉनमी और बिजनस तीनों क्लास की सीटों के लिए हैं। इस ऑफर के तहत घरेलू सफर के लिए बुकिंग 19 अप्रैल से शुरू हो चुकी है और 21 अप्रैल तक इसका फायदा उठा जा सकता है। इस ऑफर में इकॉनमी क्लास के लिए एक तरफ का किराया 2,499 रुपए, प्रीमियम इकॉनमी क्लास के लिए 3,459 और बिजनस क्लास के लिए 9,999 रुपए से शुरू हो रहा है।

इंटरनेशनल रूट के लिए बुकिंग 25 अप्रैल तक कराई जा सकती है। इंटरनेशनल ट्रैवल के लिए रिटर्न टिकट की शुरुआत इकॉनमी क्लास में 12,999 रुपए, प्रीमियम इकॉनमी क्लास में 17,249 रुपए और बिजनस क्लास के लिए 35,549 रुपए से शुरू होगी। इसमें 20 जून से 30 सितंबर 2022 के बीच यात्रा के लिए टिकट बुक की जा सकती है। इस सेल के तहत यात्री दिल्ली, मुंबई और उदयपुर से लेकर देहरादून, चंडीगढ़, लखनऊ, अमृतसर, लेह, श्रीनगर, वाराणसी, गोवा, कोच्चि, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे अन्य शहरों की यात्रा कर सकते हैं। दिल्ली से देहरादून इकॉनमी क्लास का किराया 2,499 रुपए है। ऑफर के तहत उदयपुर से दिल्ली के लिए सिर्फ एक फ्लाइट है। इस किराये में कन्वीनियंस फीस शामिल नहीं है। इसी तरह दिल्ली और मुंबई से काठमांडू, कोलंबो, ढाका, सिंगापुर और दुबई जैसे इंटरनेशनल रूट्स के लिए बुकिंग कर सकते हैं।

विस्तारा की समरटाइम सेल के लिए कंपनी की वेबसाइट, आईओएस और एंड्रॉइड मोबाइल ऐप, विस्तारा के एयरपोर्ट टिकट ऑफिस, एयरलाइन के कॉल सेंटर, ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों और ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से बुकिंग की जा सकती है।

कार्तिक बन सकते हैं अच्छे फिनिशर : गावस्कर

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल के 15 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा कि यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट में भारतीय टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकता है। कार्तिक ने मौजूदा सत्र में अपनी टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32, 14, 44, 7, 34 और 66 रन की पारियां खेली है और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 209.57 और औसत 197 का रहा है। गावस्कर ने कहा कि कार्तिक टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं जो सही भी है। साथ ही कहा कि हमें इस विकेटकीपर बल्लेबाज की उम्र पर ध्यान देने की जगह उसका प्रदर्शन देखना चाहिये। कार्तिक ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर 34 गेंद में नाबाद 66 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। इस मैच में टीम ने कठिन हालातों से उबर कर पांच विकेट पर 189 रन बनाने के बाद 16 रन से जीत दर्ज की और कार्तिक मैन ऑफ द मैच बने। गावस्कर ने कहा कि उसने अपने प्रदर्शन से मैच का रुख मोड़ दिया। वह वैसा ही काम कर रहा है जैसा कि छठे या सातवें क्रम के बल्लेबाज से टी20 विश्व कप में उम्मीद की जाएगी। कार्तिक ने भारत के लिए 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 32 टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है।

अपनी संभावनाएं बनाये रखने जीत के लिए उतरेंगी सीएसके ओर मुम्बई

मुंबई।

आईपीएल के 15 वें सत्र में गुरुवार को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जीत के इरादे से उतरेंगी क्योंकि इस मैच में हारने का मतलब प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होना है। ऐसे में दोनो ही टीमों के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने यह मैच जीतना जरुरी है। मुंबई की टीम इस बार बेहद खराब हालातों का सामना कर रही है। उसे एक भी मैच में जीत नहीं मिली है हालांकि उसके लिए राहत की की बात यह है कि युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। मुंबई की टीम अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नाकाम रही है कप्तान रोहित शर्मा तक रन नहीं बना पा रहे हैं। रोहित ने छह मैचों में केवल 114 रन बनाए हैं। अब अग र मुंबई को जीत दर्ज करनी है तो उसे बड़ा स्कोर बनाना होगा। टीम के युवा बल्लेबाज ईशान किशन भी अब तक उम्मीद के अनुसार बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं। ईशान ने छह मैचों में दो अर्धशतक ही लगाये हैं। युवा ब्रेविस और तिलक के अलावा सूर्यकुमार यादव ने भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं पर इन्हें एक मिलकर प्रयास करना होगा। टीम के ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड भी लय में नहीं हैं। मुंबई के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं पर वे अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। टीम की गेंदबाजी भी प्रभावी नहीं रही है। मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य गेंदबाज नाकाम रहे हैं। टाइमल मिल्स, जयदेव उनादकट, बासिल थंपी के अलावा मुख्य स्पिनर मुरुगन अश्विन को अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मिल्स ने अपने अंतिम मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ तीन ओवर में 54 रन दिये थे जबकि उनादकट और मुरुगन ने 32 और 33 रन दिये। एक अन्य गेंदबाज फैबियन एलन भी नाकाम रहे हैं। वहीं दूसरी ओर उसकी विरोधी टीम सीएकके के हालात में अच्छे नहीं हैं। गत विजेता सीएसके को भी छह में से केवल एक मैच में जीत मिली है और वह अंकतालिका में मुम्बई से एक स्थान ऊपर नवीं पायदान पर है। ऐसे में एक ओर हार उसके आगे जाने की संभावनाओं को तकरीबन समाप्त कर देगी।

टीम के लिए राहत की बात यह है कि बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने रन बनाने शुरु कर दिये हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में 48 गेंदों में 73 रन बनाए थे। रॉबिन उथप्पा और शिवम दुबे ने भी आरसीबी के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी पर गुजरात के खिलाफ वे रन नहीं नहीं बना पाये थे। शिवम को मध्यक्रम में अंबाती रायुडू और मोईन अली के साथ साझेदारी बनानी होगी। वहीं कप्तान रवींद्र जडेजा और महेंद्र सिंह धोनी फिनिशर की निभा सकते हैं।

जडेजा को इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करनी होगी तभी वह अपनी टीम को मुंबई पर जीत दिला पायेंगे। इसे अलावा ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो और स्पिनर महेश तीक्ष्णा के अलावा टीम के अन्य गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। मुकेश चौधरी और क्रिस जॉर्डन ने पिछले मैच में काफी रन दिया थे।

राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल्स में सौरभ चौधरी को तीन स्वर्ण

नयी दिल्ली ।

दुनिया के पूर्व नंबर एक निशानेबाज उत्तर प्रदेश के सौरभ चौधरी ने मंगलवार को यहां डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में पुरुष 50 मीटर पिस्टल राष्ट्रीय चयन ट्रायल में दबदबा बनाते हुए सीनियर और जूनियर वर्ग में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। पांचवें दिन पिस्टल स्पर्धाओं के चयन ट्रायल तीन और चार में एशियाई खेलों एवं युवा ओलंपिक चैंपियन सौरभ ने पुरुष और जूनियर पुरुष 50 मीटर पिस्टल टी चार में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पुरुष टी तीन में कांस्य जबकि जूनियर पुरुष टी तीन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाले सौरभ ने टी चार में 60 शॉट की सीरीज में 562 अंक के साथ भारतीय नौसेना के कुणाल राणा को पछाड़ा जिन्होंने 555 अंक जुटाए। जूनियर पुरुष स्पर्धा में इसी स्कोर के साथ उन्होंने 547 अंक बनाने वाले पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा को पीछे छोड़ा। सौरभ इससे पहले पुरुष टी तीन स्पर्धा में वायुसेना के अनुभवी गौरव राणा और राजस्थान के ओम प्रकाश मिथेरवाल के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। गौरव ने 553 अंक के साथ स्वर्ण, ओम प्रकाश ने 553 अंक के साथ रजत जबकि सौरभ ने 552 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

कैंपबेल कोमा से बाहर आये

लंदन । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और नीदरलैंड की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रेयान कैंपबेल की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है हालांकि अब वह कोमा से बाहर आ गये हैं। कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ने के बाद यहां के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया था। इंग्लैंड में अपने परिवार के साथ रह रहे कैंपबेल को सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई महसूस हुई थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कैंपबेल के भाई मार्क के एक बयान के आधार पर कहा कि डॉक्टरों ने बताया है कि उनके मस्तिष्क को किसी तरह की क्षति नहीं पहुंची है। आईसीसी के इस बयान में कहा, ''वह बेहोशी से बाहर निकल आये हैं। अब चिकित्सक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके दिल में क्या खराबी है।'' कैंपबेल नीदरलैंड की टीम के न्यूजीलैंड दौरे के बाद यूरोप लौट गये थे। उन्हें जनवरी 2017 में नीदरलैंड का कोच नियुक्त किया गया था। एक खिलाड़ी के रूप में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और हांगकांग दोनों की ओर से खेला है।

सितंबर तक राष्ट्रीय खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करें महासंघ : ठाकुर

नयी दिल्ली,

खेल महासंघों को राष्ट्रीय खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिये सितंबर तक की समयसीमा दोहराते हुए खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा इससे पूर्व दो बार 'रिमाइंडर' दिये जायेंगे खेल मंत्रालय ने 60 में से 47 राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता दी है जबकि बाकियों को खेल संहिता का पालन नहीं करने के कारण सितंबर तक अस्थायी मान्यता दी गई है लेकिन खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखकर इनका बजट नहीं रोका गया । ठाकुर ने यहां मीडिया से बातचीत में कहा ,''हम नहीं चाहते कि खेल या खिलाड़ियों का नुकसान हो और इसलिये उन महासंघों को सितंबर तक की अस्थायी मान्यता दी गई है जिन्होंने अभी तक खेल संहिता का पालन सुनिश्चित नहीं किया है ।' उन्होंने कहा ,'' उन्हें मई में पहला रिमाइंडर दिया जायेगा और जुलाई में दूसरा । सितंबर के बाद इस बारे में अंतिम फैसला लिया जायेगा ।' कई राष्ट्रीय खेल महासंघ कामकाज में सुशासन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाली खेल संहिता 2011 के दिशानिर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं जिसके लिये खेल मंत्रालय से विगत कुछ वर्षों से बार बार चेतावनी दी जाती रही है । राष्ट्रमंडल खेल 2026 के प्रारंभिक कार्यक्रम से कुश्ती , तीरंदाजी और निशानेबाजी को बाहर किये जाने को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भारत के साथ ' घोर अन्याय' करार दिया था । आईओए महासचिव राजीव मेहता ने इस बारे में खेल मंत्रालय से मशविरा करके आगे की कार्रवाई तय करने की बात कही थी इस बारे में पूछने पर खेलमंत्री ने कहा ,'' आईओए की ओर से अभी तक इस संदर्भ में कोई सूचना नहीं है । अभी खेलों में काफी समय है और फैसलों पर पुनर्विचार की संभावना हमेशा रहती है ।' भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में निशानेबाजी में अब तक 135 (63 स्वर्ण, 44 रजत और 28 कांस्य) पदक जीते हैं । कुश्ती में इन खेलों में भारत ने 102 (43 स्वर्ण, 37 रजत और 22 कांस्य पदक) पदक अपने नाम किये हैं । भारतीय स्कूली खेल महासंघ द्वारा पैसा लेकर विश्व स्कूल खेलों के लिये खिलाड़ियों के चयन संबंधी खबरों पर संज्ञान लेते हुए खेल मंत्रालय ने सभी राज्यों को सूचित कर दिया है कि महासंघ को मंत्रालय से कोई मान्यता नहीं है । ठाकुर ने कहा ,'' हमने सभी राज्यों को सूचित किया है कि इस महासंघ को मंत्रालय से मान्यता नहीं है । इसके आगे की कार्रवाई भी जल्दी की जायेगी ताकि ऐसी घटनाओं का दोहराव नहीं हो ।'' राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) द्वारा डोपिंग निरोधक गतिविधियों में तेजी और पारदर्शिता लाने के लिये किये जाने वाले प्रयासों की जानकारी देते हुए खेल सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने कहा ,'' जल्दी ही खिलाड़ियों द्वारा लिये जाने वाले डाइट सप्लीमेंट की जांच के लिये लैब खोली जायेगी ताकि डोपिंग को लेकर जागरूकता बढाई जा सके ।''

संक्षिप्त समाचार

इस साल शादी के बंधन में बंध सकते राहुल और आथिया

मुम्बई । क्रिकेटर लोकेश राहुल और अभिनेत्री आथिया शेट्टी इस साल सर्दियों में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। यह दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट करते रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दक्षिण भारतीय रीति रिवाजों से शादी कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार आथिया के परिवार में सभी लोग राहुल को काफी पसंद करते हैं और अगर सब ठीक रहा तो इस साल के अंत में यह दंपत्ति शादी के बंधन में बंध जाएगा। इन दोनो की शादी राहुल दक्षिण भारतीय रीति रिवाजों के अनुसार होगी हालांकि इस बात की अभी तक आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। राहुल और अथिया ने पिछले साल इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर कर अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया था। उसके बाद से ही अथिया अपने पेशेवर जीवन से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रही हैं। इसमें कई बार राहुल का भी जिक्र होता रहा है। हाल में राहुल के जन्मदिन पर अभिनेत्री ने इस क्रिकेटर के लिए एक नोट के जरिए अपने प्यार को प्रकट किया था। अथिया ने राहुल के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की थीं।

थिएम सर्बिया ओपन से बाहर हुए

बेलग्रेड । ऑस्ट्रिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी डोमीनिक थिएम सर्बिया ओपन के पहले ही दौर में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। थिएम को हमवतन जॉन मिलमैन ने 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। एक साल के बाद टूर स्तर पर पहला मैच खेल रहे विश्व के तीसरे नंबर के पूर्व खिलाड़ी थिएम ने अच्छा खेल दिखाया पर इसके बाद भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब दूसरे दौर में मिलमैन का मुकाबला सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने हेनरी लाकसोनेन को 6-2, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया जहां उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव से होगा। इसके अलावा अन्य मुकाबलों में सर्बिया के लास्लो जेयर ने अपने ही देश के हमाद मेदजेदोविच को 6-4, 7-5 से जबकि रोमन सफियुलिन ने मिखाइल यमेर को 7-5, 6-0 और ब्राजील के क्वालिफायर थियागो मोंटेइरो ने पुर्तगाल के जाओ सोसा को 6-4, 6-3 से हराया।

श्रीलंका के हालात पर बोले जयवर्धने- क्या यही लोकतंत्र है, शर्म आनी चाहिए पुलिस को

(एजेंसी)।

श्रीलंका देश इस समय पूरी तरह दिवालिया होने के कगार पर खड़ा है। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि लोगों को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करना पड़ा रहा है। क्योंकि खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। लोगों का विरोध दबाने के लिए श्रीलंका सरकार फौज और पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। जिसमें कई प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इसे लेकर श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। श्रीलंका में चल रहे प्रदर्शन पर एक पत्रकार ने इस ट्वीट करते हुए लिखा श्रीलंका पुलिस ने रामबुकाना में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की पुष्टि की। जिसमें कम से कम एक की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने एक तेल टैंकर को आग लगाने की कोशिश की। पत्रकार के इस ट्वीट पर जयवर्धने भड़क गए। उन्होंने इसका ट्वीट करते हुए जवाब दिया। जयवर्धने ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अगर लोग हिंसा करते हैं और पब्लिक प्रोपर्टी को नुकसान पहुंचाते हैं। तो उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए ना कि गोली मारने का कोई बहाना ढूंढना चाहिए? क्या यह लोकतंत्र है? क्या यही देश का कानून है? इसके लिए जो भी जिम्मेदार है उसे न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए। श्रीलंका पुलिस शर्म आनी चाहिए? गौर हो कि महेला जयवर्धने इस समय भारत में चल रहे आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कोचिंग की भूमिका निभा रहे हैं। पर इस सीजन मुंबई टीम की शुरूआत बेहद ही खराब रही है। टीम को अपने पहले 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

गेंदबाजों के अधिक रन देने से हारे : राहुल

मुम्बई । लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार का कारण गेंदबाजों का अधिक रन देना रहा है। इस मैच में आरसीबी ने 6 विकेट पर 181 रन बनाए थे जिसके जवाब में लखनऊ की टीम 8 विकेट पर 163 रन ही बना पायी। राहुल ने हार के लिए कमजोर गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया है। लखनऊ को 7 मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। वहीं आरसीबी की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। . राहुल ने हार के बाद कहा कि उनके गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत के बाद भी विरोधी टीम को 15 से 20 रन अधिक दे दिये। वहीं आरसीबी की ओर से बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी ने 96 रन बनाए। टीम एक समय 62 रन पर 4 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी पर इसके बाद डुप्लेसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच में अपनी टीम को जीत दिला दी राहुल ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले ओवर में हमने अच्छी शुरुआत की पर पावरप्ले में हम विरोधियों पर अंकुश नहीं लगा पाये जबकि हमें इसमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। मुझे लगता है कि इस पिच पर 180 रन (181 रन) देकर हमने उन्हें 15 या 20 रन ज्यादा दे दिए।' उन्होंने आगे कहा, 'पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। हमें शुरुआती विकेट मिले जिसकी हमें तलाश थी लेकिन बीच के ओवरों में हम दबाव नहीं बना पाए।' राहुल ने साथ ही कहा कि उन्हें लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के दौरान बड़ी साझेदारी की जरूरत थी जो हम नहीं बना पाये।

सालाह के गोल से लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को 4-0 से हराया

लंदन ।

मोहम्मद सालाह के दो गोलों की सहायता से इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में लिवरपूल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को 4-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही लीवरपूल एक बार फिर से फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गयी है। इस मैच में डियाज ने शुरुआती 5वें मिनट में ही एक गोल कर अपनी टीम लिवरपूल को बढ़त दिला दी थी। इसके बाद सालाह ने 22वें मिनट में एक गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। माने ने 68वें मिनट में टीम की ओर से तीसरा गोल किया जिसमें डियाज ने उनकी सहायता की। सालाह ने डियाज की जगह मैदान में उतरे डिएगो जोटा की सहायता से 85वें मिनट में दूसरा गोल किया। इस जीत से लिवरपूल के 32 मैचों में 76 अंक हो गये हैं और वह मैनचेस्टर सिटी को पीछे छोड़कर शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं सिटी के 31 मैचों में 74 अंक हैं।

कोहली को है आराम की जरुरत : शास्त्री

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री भी अब विराट कोहली के रन नहीं बनाने से परेशान हो गये हैं। आईपीएल के इस सत्र में विराट रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से एक बल्लेबाज के तौर पर उतरने के बाद भी विफल रहे हैं। विराट ने पिछले सत्र के समाप्त होने के बाद ही आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में कोहली पहली ही गेंद पर आउट हो गये थे। इसी को देखते हुए ही शास्त्री ने विराट को खेल से ब्रेक लेने की सलाह दी है। शास्त्री का कहना है कि बायो-बबल (जैविक सुरक्षा घेरे) में रहने के कारण खिलाड़ी मानसिक रुप से थक जाते हैं। ऐसे में खेल से जुड़ी पाबंदियों के बीच भी हमें खिलाड़ियों का ध्यान रखना होगा। साथ ही कहा कि विराट अब भी 6-7 साल खेल सकते हैं। इसलिए टीम प्रबंधन को देखना होगा कि उन्हें तरोताजा होने का समय दिया जाना चाहिये। इसके साथ ही यह भी देखना होगा कि कोहली पर लगातार खेलने के लिए अधिक जोर ना दिया जाये।

शास्त्री ने कहा, मैं जब कोच था, तब ब्रेक देना पहली बार शुरू हुआ था। तब मैंने कहा था कि खिलाड़ियों के साथ सहानुभूति दिखानी चाहिए क्योंकि अगर आप जोर डालेंगे तो विपरीत प्रभाव पड़ेगा क्योंकि किसी खिलाड़ी के बेहतर प्रदर्शन करने और हार मानने के बीच बेहद कम अंतर होता है। इसलिए आपको फैसले लेते समय समझदारी दिखानी होती है। विराट अभी बेहद थके लग रहे हैं। इस समय अगर किसी को ब्रेक की जरूरत है तो वो कोहली ही हैं. फिर चाहें 2 महीने या डेढ़ महीने का हो, चाहें इंग्लैंड दौरे से पहले या बाद में, लेकिन उन्हें आराम दिया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि कोहली में अभी भी 6-7 साल का क्रिकेट बचा है और कोई भी यह नहीं चाहेगा कि आप मौजूदा स्थिति में हम उन्हें खो दें। साथ ही कहा कि वो अकेले ऐसे नहीं हैं, जो इस दौर से गुजर रहे हैं. इस समय विश्व क्रिकेट में एक-दो और खिलाड़ी ऐसे होंगे जो इससे गुजर रहे हैं. आपको समस्या का सामना करना पड़ेगा। लेड में पहली पारी में 93 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया था, जबकि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) और मार्नस लाबुस्चागने (103) ने शानदार पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के बाद लाबुस्चागने आईसीसी बल्लेबाजी टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज हो गए थे।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर एडिलेड टेस्ट में 275 रनों एक बड़ी जीत दर्ज की थी।लाबुस्चागने 2 हजार टेस्ट रन बनाने वाले पांचवें सबसे तेज खिलाड़ी हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज नंबर 3 कंगारूओं को मजबूती प्रदान करते हैं, क्योंकि नई गेंद पर खतरे को टालते हुए चारों ओर शॉट्स के माध्यम रन बनाते हैं।

होल्डर ने अपनी गेंदबाजी से किया प्रभावित

मुंबई । लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराऊंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से विरोधी टीम को कोई मौका नहीं दिया। इस दौरान दिनेश कार्तिक और फाफ डु प्लेसिस जैसे बल्लेबाज क्रीज पर थे जिनपर अंकुश लगाना बेहद कठिन होता है। 20वां ओवर फेंकने आए होल्डर ने केवल चार ही रन दिए। उन्होंने फाफ डु प्लेसिस को पेवेलियन भेजा। होल्डर ने 25 रन देकर दो विकेट लिए। होल्डर ने कहा कि हमारे पास 20वें ओवर के लिए एक विशेष योजना थी जिससे विरोधियों पर दबाव बनाया जा सके। योजना थी। मैंने बड़ी सीमा की ओर गेंदबाजी की और यह फायदेमंद रहा। । वैसे भी यह पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल थी। इसी लिए पावरप्ले में यहां बल्लेबाजी आसान होती है। आप लाइन के माध्यम से हिट कर स्कोरबोर्ड आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनरों को निशाना बनाया जा सकता है। आरसीबी के खिलाफ होल्डर का प्रदर्शन पहले से ही अच्छा रहा है। साल 2018 के बाद से ही आरसीबी के खिलाफ आंकड़े देखें जाएं तो उन्होंने केवल 7 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

पीएम मोदी ने गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों को मेक इन इंडिया अभियान का केंद्र बनाने की मंशा व्यक्त की

दाहोद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों को 'मेक इन इंडिया' का केंद्र बिंदु बनाने की मंशा व्यक्त करते हुए कहा कि अंबाजी से लेकर उमरगाम तक के गुजरात के आदिवासी बेल्ट को पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और सिंचाई जैसी प्राथमिक सुविधाओं से संपन्न बनाने के बाद अब इस क्षेत्र को मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि दाहोद जैसे क्षेत्र में 20 हजार करोड़ रुपए के पूंजी निवेश से आदिवासी क्षेत्र में आर्थिक विकास का नया सूर्योदय होगा। पीएम मोदी ने कहा कि दाहोद मेक इन इंडिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। गुलामी कालखंड के लोकोमोटिव स्टीम इंजन के कारखाने को अब 20 हजार करोड़ रुपए के खर्च से आधुनिक बनाया जा रहा है। यहां 9000 हॉर्स पावर वाले इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव रेल इंजन तैयार होंगे। दाहोद मेक इन इंडिया अभियान को गति देने के साथ दुनिया के देशों की इलेक्ट्रिक इंजन की मांग को पूरा करने में अहम भूमिका अदा करेगा। प्रधानमंत्री ने बुधवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश की उपस्थिति में दाहोद में आयोजित विशाल आदिवासी महासम्मेलन में 1809.79 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए दाहोद जिले के आदिवासी बंधुओं को विकास की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने पंचमहाल जिले में जन कल्याण और सुविधा के 159.71 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे द्वारा दाहोद वर्कशॉप में लगभग 20,000 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 9,000 हॉर्स पावर के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजनकी उत्पादन इकाई का शिलान्यास किया। मेक इन इंडिया अभियान को साकार करने वाले इस प्रोजेक्ट से दाहोद और उसके आसपास के क्षेत्रों में हजारों नौकरियों के अवसर सृजित होंगे। प्रधानमंत्री ने दाहोद जिले में कुल 21,969.50 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जो 9,000 हॉर्स पावर के लोकोमोटिव रेल इंजन बनाता है। दाहोद में इस आधुनिक रेल इंजिन का निर्माण शुरू होने से यहां के निकवर्ती क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि में वृद्धि होने के साथ ही इस पूंजीनिवेश से हजारों युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही निष्प्राण हो चुका दाहोद का परेल क्षेत्र भी अब गतिशील होगा। आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्र और राज्य की सरकार द्वारा कंधे से कंधा मिलाकर काम किए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उमरगाम से लेकर अंबाजी तक के आदिवासी बेल्ट में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, सिंचाई, कृषि, आवास और गैस चूल्हे जैसी प्राथमिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। जिसके परिणामस्वरूप अनेक आदिवासी परिवार आर्थिक प्रगति के मार्ग पर दौड़ने लगे हैं।

हमने प्रगति-विकास की नई राह बनाई है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 'नल से जल' योजना के सुदृढ़ कार्यान्वयन के बारे में बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमारी माताएं और बहनें पानी की कमी की समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं। एक समय था जब पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता था। लेकिन अब नल से जल मिशन के अंतर्गत घर-घर नल के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। इस योजना का दायरा बढ़ाया गया है। अब तक गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों के 5 लाख घरों में नल कनेक्शन दिया गया है। देश में पिछले ढाई वर्ष में 6 करोड़ से अधिक परिवारों को इस योजना का लाभ मिला है। पानी की बड़ी समस्या हल होने से हमें माताओं का आशीर्वाद मिल रहा है।

मोदी ने स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में कहा कि, "जब मैं यहां मुख्यमंत्री था, तब मुझे आदिवासी क्षेत्रों से यह शिकायत मिलती थी कि जहरीले सांप के दंश के कारण लोगों की मौत हो रही है। तब हमने 108 एंबुलेंस सेवा में एंटी वेनम इंजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध कराई थी। अब आदिवासी क्षेत्रों में वेलनेस सेंटर भी खुल रहे हैं। दूरदराज के गांवों के लोगों को घर के निकट ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।ज उन्होंने कहा कि आदिवासी युवा और युवती डॉक्टर व इंजीनियर बने उसके लिए मैं जब मुख्यमंत्री था तब आदिवासी बेल्ट के हरेक तहसील मुख्यालय में विज्ञान संकाय के विद्यालय शुरू कराए थे। आज आदिवासी जिलों में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ की गई हैं। आदिवासी छात्र पढ़-लिखकर डॉक्टर व इंजीनियर बन रहे हैं। इतना ही नहीं, ये छात्र सरकार की सहायता से विदेश में भी पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने की चिंता करते हुए देश में 750 एकलव्य मॉडल स्कूल शुरू किए गए हैं। सात दशक पूर्व देश में मौजूद केवल 18 आदिवासी संशोधन केंद्र के मुकाबले पिछले केवल सात वर्षों में 9 संसोधन केंद्र खोले गए हैं।

सीबीएसई कक्षा 12 साइंस कॉमर्स के विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन डे का उत्सव मनाया गया

"We thought controlling our laughter in a class full of pin-drop silence was the most challenging thing to do. Little did we realize that controlling our tears on the last day of school would be a million times harder"

सूरत भूमि, सूरत।

ऐसे तो विद्यार्थी जब स्कूल के दिनों में खूब धमाल मस्ती करते हैं और शिक्षकों को हैरान परेशान करते हैं तो वह दिवस बहुत ही यादगार होते हैं परंतु उस स्कूल में बिताया आखरी दिन और ऐसे भावनात्मक दिन पर दी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल द्वारा कक्षा 12 साइंस कॉमर्स के बच्चों के लिए ग्रेजुएशन डे मनाया गया।

इस समारोह में मुख्य मेहमान के रूप में सूरत शहर के अधिक पुलिस कमिश्नर पी.एल.माल. साहेब और सूरत शहर के शिक्षा के भीष्म पितामह कहे जाने वाले आदरणीय पर्वतभाई डांगसिया ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। जिसने विद्यालय के कक्षा 12 के कुल 120 विद्यार्थियों के भविष्य श्रेष्ठ और मार्गदर्शक बनी ऐसी शुभेच्छा दी। सूरत शहर के अधिक पुलिस कमिश्नर श्री पीएल माल साहेब द्वारा बच्चों ने युवावस्था की पहले चरण में अपने सर्वोत्तम लक्ष्य पर पीके रहकर सर्वोच्च सफलता के लिए प्रयास करते रहे लेकिन यदि वह पहले प्रयास में सफल नहीं होते हैं तो उन्हें हारना नहीं है और उन्होंने आगे कहा कि इन युवाओं ने नशे की आदत को अपना लिया है और लक्ष्य से भटकने की बजाय नशे को किनारे कर के अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

स्कूल के ट्रस्टी गण द्वारा छात्रों के लिए एक एल्बम ने

क्लब की रचना की गई और घोषणा किया कि यह विद्यार्थी हमेशा विद्यालय के एक सदस्य रहेंगे।

इस कार्यक्रम के लिए विद्यालय के एमडी किशन भाई मांगूकिया, कैंपस डायरेक्टर आशीष वाघानी और विद्यालय के आचार्य श्री तुषार भाई परमार द्वारा माइक्रो प्लानिंग के साथ खुद विद्यार्थी की मदद से समग्र कार्यक्रम का संचालन किया गया और यह विद्यार्थी भविष्य में उच्च परिणाम के साथ विद्यालय का नाम रोशन करें ऐसी कामना की।

स्कोडा ऑटो ने भारत में 100 से ज्यादा डीलरशिप्स में अपने 'सर्टिफाइड प्री-ओन्ड ' बिजनेस का विस्तार किया

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नये उत्पादों की पेशकश, बिक्री में लगातार वृद्धि और नेटवर्क के तीव्र विस्ताार के साथ, 100 से ज्योादा डीलरशिप्स पर अपने यूज्ड कार बिजनेस 'सर्टिफाइड प्री-ओन्डव' का विस्तार किया है। इस विस्तार के साथ, स्कोडा अब अपने ग्राहकों के लिये संपूर्ण व्यापिक पहुँच के साथ एक ही छत के नीचे कार की खरीदी, बिक्री तथा एक्सचेंज की सुविधा की पेशकश कर रही है।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्राण्ड डायरेक्टर ज़ैक होलिस ने कहा, "किसी भी अन्यु मशीन की तुलना में कार के साथ आपका भावनात्माक लगाव हो सकता है। खासकर अगर वह कार स्कोडा हो। 'सर्टिफाइड प्री-ओन्डम' के साथ हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि सभी तरह की स्कोडा कारें आसानी से ग्राहकों के लिये सुलभ हों। यह भारत में हमारे 20 साल से ज्याादा पूरे होने और लंबे समय तक चलने वाली हमारी गुणवत्तास तथा टिकाऊपन का उत्स्व है। स्कोडा का कोई भी ग्राहक या प्रशंसक 'सर्टिफाइड प्री-ओन्ड' फैसिलिटी पर आ सकता है या हमारी साइट पर लॉग इन कर सकता है। और उसे गुणवत्ताा तथा निश्चितता का आश्वा सन मिलेगा। चाहे यूज्ड स्कोडा को खरीदना हो, अपनी स्कोडा को बेचना हो या नई स्कोकडा के लिये एक्सभचेंज करना हो।"

अभी तक, स्कोडा ऑटो इंडिया के 'सर्टिफाइड प्री-ओन्ड ' नेटवर्क के माध्यकम से 2500 से अधिक यूज्डी कारें डिलीवर हो चुकी हैं।

'सर्टिफाइड प्री-ओन्ड ' फैसिलिटी में, ग्राहक एक प्री-ओन्ड कार खरीद सकते हैं, किसी भी बनावट, मॉडल और हालत वाली अपनी मौजूदा कार को बेच सकते हैं या उसे एक्सरचेंज कर सकते हैं और नई स्कोडा में अपग्रेड कर सकते हैं। हर 'सर्टिफाइड प्री-ओन्डे' फैसिलिटी विस्तृ त मूल्यांकन की पेशकश करती है, जिसके लिये स्कोडा ऑटो इंडिया द्वारा प्रशिक्षित मूल्यां कन सलाहकार 115 क्वारलिटी चेक पॉइंट्स रखते हैं।

ले मेरिट रु. 48 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 अप्रैल, 2022 को खुलेगा

अहमदाबाद ।

ले मेरिट एक्सपोर्ट्स लिमिटेड सूती धागे, ग्रीस कपड़े और तैयार कपड़े जैसे कपड़ा उत्पादों के उत्पादन और व्यापार में शामिल है। कंपनी तीन कार्यक्षेत्रों के माध्यम से अपना व्यवसाय संचालित करती है, जिसमें यार्न का उत्पादन, यार्न का व्यापार और ग्रेड और तैयार कपड़े का व्यापार शामिल है। कंपनी सूती कपड़े, तौलिया और चादर कपड़े, पॉलिएस्टर और विस्कोस सामग्री, परिधान कपड़े, रंगे यार्न आदि सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। कंपनी की दो सहायक कंपनियां हैं, ले मेरिट फिलामेंट प्राइवेट लिमिटेड और ली मेरिट स्पिनिंग प्राइवेट लिमिटेड।कंपनी वित्तीय और क्षमता बाधाओं के साथ कपास और यार्न निर्माण कंपनियों के साथ दीर्घकालिक पट्टा विकल्पों का मूल्यांकन करके और क्षमता निर्माण और सुविधाओं के आधुनिकीकरण में निवेश करके मांग में इस तरह की अनुमानित वृद्धि को पूरा करने के लिए संचालन की मात्रा बढ़ाने पर विचार कर रही है और इसमें विशेषज्ञता भी प्रदान करेगी। इन सुविधाओं का संचालन। यह आने वाले वर्षों में पॉलिएस्टर निर्माण सुविधा में अवसरों का भी मूल्यांकन करेगा।ले मेरिट ने कॉटन यार्न प्रोडक्ट वर्टिकल के तहत ऑर्गेनिक यार्न का कारोबार भी शुरू किया है और ब्रांड्स और उपभोक्ताओं से ऑर्गेनिक यार्न की बढ़ती मांग और पर्यावरणीय लाभ को ध्यान में रखते हुए ऑर्गेनिक यार्न का उत्पादन शुरू किया है। यह आने वाले वर्षों में जैविक धागे के कारोबार का महत्वपूर्ण विस्तार करने की योजना बना रहा है और इस प्रकार अपने सूती धागे के कारोबार का विस्तार करेगा। कंपनी का लक्ष्य स्त्र2025 के अंत तक मिलों और इसी तरह के गैर-कैपेक्स तरीकों से अपने सूती धागे के उत्पादन को दोगुना करना है।कंपनी के प्रमोशन अभिषेक लाठ और उमाशंकर लाठ कर रहे हैं। अतिरिक्त कार्यशील पूंजी प्रदान करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए, कंपनी को रुपये की राशि का भुगतान करना होगा। यह 75 रुपये के निश्चित मूल्य पर 6400000 इक्विटी शेयरों का आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक पेशकश) लेकर आ रहा है, जिसके माध्यम से यह कुल 48 करोड़ रुपये जुटाएगा।

आर्ट गैलरी अहमदाबाद की गुफा में श्री एन.के. पटेल की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई

अहमदाबाद शहर में अहमदाबाद गुफा में आर्ट गैलरी में श्री एनके पटेल की तस्वीरों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। एन। उस। पटेल द्वारा प्रदर्शित तस्वीरें बहुत ही अनोखी थीं। प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित तस्वीरों ने भारत के उत्तर-पूर्व की संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शनी के मुख्य अतिथि पद्मश्री थे। जितेंद्र नाथ गोस्वामी उपस्थत थे।इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी के बारे में बोलते हुए, श्री एन.के. पटेल ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों में यात्रा और फोटोग्राफी के अपने शौक के कारण उन्होंने उत्तर-पूर्व में लगभग दस बार यात्रा की। वह संस्कृति, लोगों, पोशाक, वास्तुकला से प्रेरित थे, और प्रदर्शन पर सभी तस्वीरें उत्तर-पूर्व के भीतरी इलाकों से हैं। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और देश के आठ पूर्वोत्तर राज्यों का भारत में विशेष महत्व है। इन राज्यों का सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व देश के बाकी राज्यों से अलग है।

परिदृश्य, समुदायों की सीमा और भौगोलिक और पर्यावरणीय विविधता इन राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से काफी अलग बनाती है।प्रदर्शनी में 190 के दशक में दलाई लामा भारत आए और 19वें विश्व युद्ध के दौरान आजाद हिंद सेना मणिपुर में कहां आए, इसकी तस्वीरें भी प्रदर्शित की गईं। साथ ही इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण पूर्वोत्तर के प्राकृतिक सौन्दर्य की तस्वीरें थीं।लोगों, संस्कृति, वास्तुकला और ऐतिहासिक स्मारकों, परिदृश्य वन्य जीवन, आदि में फैली सामग्री वाली छवियां इसके दर्शकों को भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लोक स्थानों और सांस्कृतिक उत्पादों के ज्ञान-मीमांसा ढांचे में एक आकर्षक अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।दर्शकों को यह अनूठा दृष्टिकोण और संभावना प्रदान करके, यह उनसे एक व्यापक दृष्टिकोण को प्रेरित करता है। ये छवियां लोगों को लोगों, स्थानों और संस्कृतियों के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित करती हैं। वे बौद्धिक रेचन प्रास करने का एक साधन बन जाते हैं। इस प्रदर्शनी के माध्यम से श्री पटेल का उद्देश्य इन तस्वीरों के माध्यम से आम दर्शकों के मन में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के बारे में गलत धारणाओं, परिकल्पनाओं और गैर-मानकीकृत मान्यताओं को बदलना है।

डब्ल्यूएचओ चीफ को पीएम ने दिया तुलसी भाई नाम केम छो बोलकर पूछा था मोदी का हाल

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक टेड्रोस गेब्रेयसस को 'तुलसी भाई' नाम दिया है। यह गुजराती नाम है। इससे पहले गुजरात के जामनगर में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन के उद्घाटन के दौरान डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने संबोधन की शुरुआत गुजराती से की थी। सबसे पहले उन्होंने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। इसके बाद गुजराती में लोगों से पूछा 'केम छो'? इसके बाद जब लोगों ने इसका जवाब दिया तो उन्होंने भी च्मजा मा' बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर में वैश्विक आयुष निवेश एवं नवोन्मेष सम्मेलन में कहा, वर्ष 2014 में आयुष क्षेत्र तीन अरब अमेरिकी डॉलर का था, जो अब बढ़कर 18 अरब अमेरिकी डॉलर का हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पारंपरिक उपचार पद्धतियों के लिए देश आने वाले लोगों के लिए जल्द आयुष वीजा श्रेणी शुरू करेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत जल्द आयुष मार्क पेश करेगा, जो देश के गुणवत्तापूर्ण आयुष उत्पादों को प्रामाणिकता देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गांधीनगर में वैश्विक आयुष निवेश एवं नवोन्मेष सम्मेलन में कहा, वर्ष 2014 में आयुष क्षेत्र तीन अरब अमेरिकी डॉलर का था, जो अब बढ़कर 18 अरब अमेरिकी डॉलर का हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पारंपरिक उपचार पद्धतियों के लिए देश आने वाले लोगों के लिए जल्द आयुष वीजा श्रेणी शुरू करेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत जल्द आयुष मार्क पेश करेगा, जो देश के गुणवत्तापूर्ण आयुष उत्पादों को प्रामाणिकता देगा।

सुप्रीम इंजीनियरिंग लिमिटेड को भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से मिला प्रतिष्ठित आदेश

मुंबई ।

सुप्रीम इंजीनियरिंग लिमिटेड कंपनी 12 अप्रैल, 2022 को लिखे एक पत्र में, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने बताया कि उसे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से एक सम्मानजनक आदेश मिला है। कंपनी के खापोली स्थित स्पेशल स्टील डिवीजन को ऑर्डर मिला है।यह अंतरिक्ष एजेंसियों द्वारा अंतिम उपयोग के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण सामग्रियों के लिए एक आदेश है।

(1) क्रायो-इंजन घटकों के लिए निकल आधारित सुपरलॉयज

(2) रॉकेट फास्टनरों के लिए एज हार्डनेबल एलॉयज

(3) फ्रेंच ग्रेड उच्च शक्ति मिश्र धातु इस्पात बोल्ट, स्क्रू और रॉकेट पिन शामिल हैं।

सुप्रीम इंजीनियरिंग लिमिटेड विभिन्न महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों जैसे कि विशेष इस्पात संयंत्र-रक्षा, अंतरिक्ष, एयरोस्पेस, परमाणु, बिजली, आदि के लिए विदेशी मिश्र धातुओं का निर्माण करता है। यह यहां भारत में आयातित वैकल्पिक रूप सामग्री बनाती है।

कंपनी रक्षा, अंतरिक्ष मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के तहत संगठनों को सामग्री की आपूर्ति करती है। विभिन्न प्लेटफॉर्म और सबसिस्टम जैसे एलआरएसएएएम, पिनाका, कंड्यूसर मिसाइल, बैटल टैंक, हॉवित्जरगन, रटाग्नि, पीएसएलवी जीएसएसवी आदि सामग्री की आपूर्ति के लिए पहचाने जाते हैं।सुप्रीम इंजीनियरिंग लिमिटेड 19 . में स्थापित नहीं, दो उत्पादन योजनाएं हैं। महाराष्ट्र के खापोली में विशेष इस्पात प्रभाग विदेशी मिश्र और विशेष इस्पात के उत्पादन में लगा हुआ है।

यह विदेशी स्टील का उत्पादन करने वाली देश की एकमात्र निजी क्षेत्र की कंपनी है। द्वितीय तार विभाजन योजना महाराष्ट्र के नवी मुंबई में स्थित है।विदेशी मिश्र और विशेष इस्पात का बाजार आकार लगभग रु. इसमें से भारत 1000 करोड़ रुपये का उत्पादन करता है और बाकी का आयात किया जाता है।कंपनी के उत्पादों का उपयोग एयरोस्पेस, रक्षा, परमाणु और ताप विद्युत क्षेत्र और बोतल क्षेत्र में किया जाता है। एनएसई ने कंपनी के रु. 1 कंपनी के शेयर की कीमत रु. 3.05 पर 5% अपर सर्किट पर बंद हुआ।

ग्लोबल लॉन्गलाइफ हॉस्पिटल एंड रिसोर्सेज लिमिटेड अस्पताल का पूंजी बाजार में प्रवेश

अहमदाबाद स्थित ग्लोबल लॉन्गलाइफ हॉस्पिटल एंड रिसोर्सेज लिमिटेड का ग्लोबल हॉस्पिटल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर रु। 49 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अप्रैल, 206 से शुरू होगा और 3 अप्रैल, 207 को बंद होगा।ग्लोबल हॉस्पिटल 2015 में एक निजी कंपनी के रूप में शुरू हुआ और स्वास्थ्य क्षेत्र की सेवा करने वाले एक विशेष अस्पताल के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया। ग्लोबल लॉन्ग लाइफ हॉस्पिटल एंड रिसर्च लिमिटेड वर्ष 2021 में एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन गई।कंपनी के संस्थापक और संरक्षक सुरेशभाई जानी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों और निवेशकों की मदद से स्थानीय स्तर पर विश्व स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को लाने की पहल की है। 1100 बिस्तरों से सुसज्जित और अच्छी तरह से सुसज्जित, ग्लोबल हॉस्पिटल गुजरात के सर्वश्रेष्ठ मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों में से एक है, जहां अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टर यहां अपने मरीजों की भर्ती कर सकते हैं। वर्तमान में कुल 11 चिकित्सक एवं लगभग 50 अनुभवी चिकित्सक सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा, कुल 16 स्टाफ सदस्य, जिनमें 39 नर्सिंग स्टाफ, 50 से अधिक पैरामेडिकल और अन्य सहायक कर्मचारी शामिल हैं, ग्लोबल हॉस्पिटल से जुड़े हैं। कंपनी के वित्तीय पहलू के विवरण के अनुसार, वर्ष 2020-21 में ग्लोबल हॉस्पिटल ने रु। 2,50 करोड़। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर 2021 तक के नतीजों के मुताबिक कंपनी ने कुल 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की है.

संकल्प लाइफ केयर, न्यूट्रास्यूटिकल्स बाजार में पहली वैशाली फार्मा ने एक अद्वितीय साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं

अहमदाबाद। न्यूट्रास्यूटिकल्स के अग्रणी निर्माता अहमदाबाद स्थित संकल्प लाइफ केयर और मुंबई में वैशाली फार्मा मुख्यालय है जो फार्मा फॉर्मूलेशन का एक प्रमुख निर्माता और निर्यातक है। दोनों कंपनियां एक अद्वितीय साझेदारी बनाने के लिए एक साथ आई हैं जो दोनों कंपनियों को तेजी से बढ़ने में मदद करेगी। दोनों कंपनियों के बीच समझौते के अनुसार, एनएसई-सूचीबद्ध वैशाली फार्मा संकल्प लाइफ केयर के न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के पोर्टफोलियो के पूरे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विपणन को संभालेगी। "यह तब हमारे संज्ञान में आया था। संकल्प लाइफ केयर की मुख्य ताकत सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों के उत्पादन में निहित है और वैशाली फार्मा की भारतीय और विभिन्न बाजारों में व्यापक वैश्विक उपस्थिति है और विपणन में विशेषज्ञता है। साझेदारी हमें वैशाली फार्मा की मार्केटिंग पहुंच का लाभ उठाने और अपनी विशेषज्ञता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करेगी। यह दोनों कंपनियों के लिए फायदे की स्थिति है। संकल्प लाइफ केयर के प्रबंध निदेशक रॉबिन गोयनका ने कहा, और हम भारत और दुनिया भर में ग्राहकों के लिए एक साथ बढ़ने और उच्च गुणवत्ता वाले न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों को पेश करने के लिए तत्पर हैं।" वैशाली फार्मा और संकल्प लाइफ केयर के बीच यह साझेदारी भारतीय फार्मा उद्योग में अपनी तरह की पहली साझेदारी है। वैशाली फार्मा संकल्प लाइफ केयर के संपूर्ण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विपणन संचालन को संभालेगी और 40 से अधिक देशों में संकल्प लाइफ केयर के 100+ अभिनव उत्पाद उपलब्ध कराएगी। वैशाली फार्मा के प्रबंध निदेशक अतुल वासनी ने कहा कि अनूठा समझौता दोनों कंपनियों की ताकत पर आधारित है और यह पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा। संकल्प लाइफ केयर एक प्रमुख न्यूट्रास्यूटिकल्स कंपनी है और इसने अहमदाबाद के बावला में देश में 5वीं सबसे बड़ी न्यूट्रास्यूटिकल सुविधा स्थापित की है। टैबलेट, कैप्सूल, पाउडर, पाउच, गमी, तरल और असरदार टैबलेट, अन्य उत्पादों की एक श्रृंखला जीरो-डिस्चार्ज सुविधा में निर्मित की जाती है, जो अब पूरी तरह से चालू है, और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार डिज़ाइन की गई है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)